PRINCE POLO
Mob:8422984733

Carpenter's monthly newspaper

कारपेंटर्स न्यूज

www.carpentersnews.com

R.N.I.No.MAHHIN/2005/16460 | Postel Regd. No. MCW/321/2022-24
Posted at Delisle Road, Mumbai-400013. On 20th of Every month | Published on Every 10 th day of the month

मासिक समाचार पत्र

मुंबई | सितंबर 2022 | वर्ष : 17 | अंक : 10 | पृष्ठ : 16 | मूल्य : 2 रुपए

पारंपरिक कौशल को वक्त के साथ तराशने की जरूरत ... पेज - 4

36 Growing Years

Since 1986

Suzu®

An ISO 9001:2015 Certified Company | CE Certified

INDIA'S 1ST STAINLESS STEEL SHACKLE Padlocks ...Series...

INDIA'S 1ST S.S HINGES MANUFACTURER Hinges ...Series...

Telescopic Channels

Cabinet and Butt Hinges

Mortise Handles

Padlocks

Screws & Fittings

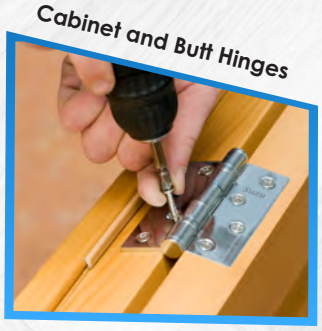

Glorious Range of

Premium Hardware Products

Manufacturer, Pan India Marketing Network & Exporters

Locks Hinges Screws Door Hardware

Follow us on social media:

Call or Whatsapp:
+91-9811242777, +91-9911118272

Padlocks | Butt Hinges | Aldrops | Screws | Door And Window Fittings | Cabinet Hinges | Door Closers | Mortise Handles | MPL Locks | Shutter Locks | Godown Locks | Main Door Locks

Head Office : 110 I.D.C. Hissar Road, Rohtak - 124001 Haryana (INDIA)

Corporate Office : 209-B, 2nd Floor Crown Heights, Near Rithala Metro Station, Rohini Sector 10, New Delhi - 110085 (INDIA)

Explore Suzu Virtual World
www.suzusteel.com www.suzu.in

CUSTOMER HELPLINE TOLL FREE NUMBER 1800 12000 4005
Time : 10 AM To 7 PM (Monday - Saturday)

MAKE IN INDIA

कैनेडियन वुड की एकबोटे टिंबर होम के साथ साझेदारी

जियो वर्ल्ड कन्वेंशन में प्रदर्शनी

मुंबई। ब्रिटिश कोलंबिया के प्रोविंशियल गवर्नमेंट (बी.सी.) की क्राउन एजेंसी फॉरेस्ट्री इनोवेशन कंसल्टिंग इंडिया प्राइवेट लिमिटेड जिसे कैनेडियन वुड के नाम से जाना जाता है ने ठोस लकड़ी के प्रमुख फर्नीचर निर्माता एकबोटे टिंबर होम के साथ साझेदारी करते हुए इंडेक्स फेयर इंटीरियर डिज़ाइन प्रदर्शनी 2022 में भाग लिया। वर्ष 1989 से मुंबई में हर वर्ष आयोजित होने वाली यह प्रदर्शनी भारत का सबसे बड़ा अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला है जो भारतीय कंपनियों को दुनिया भर के लोगों के साथ जोड़ने के लिए एक मंच प्रदान करती है। यह तीन दिवसीय प्रदर्शनी 26 अगस्त 2022 को जियो वर्ल्ड कन्वेंशन मुंबई में शुरू हुई। एकबोटे टिंबर होम्स ने कनाडा के स्थायी रूप से प्रबंधित वन की बी.सी. वुड स्पेसीज से बने लैमिनेटेड टंग एंड ग्रूव-स्टाइल हाउस को प्रदर्शित किया।

यह डेमो हाउस लकड़ी से हुए निर्माण को बढ़ावा देने और विनिर्माण की टी एंड जी तकनीक को जानकारी देने के उद्देश्य से बनाया गया था। टी एंड जी बिल्डिंग तकनीक का एक बड़ा फायदा यह है कि यह प्री-फैब्रिकेशन विधि है जिसमें फैक्ट्री से निकालने से पहले ही प्रत्येक घटक को तैयार और पहले से फिनिश कर लिया जाता है और निर्माण के बाद केवल फाइनल कोट करना शेष रह जाता है। इस तरह की पूर्व निर्मित संरचना को निर्माता द्वारा साइट पर केवल कुछ घंटों में (घर के आकार के आधार पर) एक साथ रखा जा सकता है। सस्टेनेबल घर वह होता है जिसका पर्यावरण पर यथासंभव कम से कम प्रभाव पड़े। इसमें पर्यावरणीय प्रदूषण को कम करना, ऊर्जा का संरक्षण करना और इसके निवासियों पर लाभकारी मनोवैज्ञानिक और शारीरिक प्रभाव डालते हुए जिम्मेदारी से सामग्री और संसाधनों का उपयोग करना शामिल है।

एक निर्माता और बिल्डर के रूप में एकबोटे टिंबर होम अपने ग्राहकों को लंबे समय तक चलने वाले टिकाऊ लकड़ी के घर प्रदान करने पर केंद्रित है। पर्यावरण को नुकसान न पहुंचाने वाली लकड़ी की किस्मों के उपयोग को लेकर सचेत निर्णय लेने वाले एक बिल्डर के रूप में कैनेडियन वुड एकबोटे लकड़ी के घरों को सहारा प्रदान करता है। यह टिकाऊ और प्रमाणित लकड़ी के उपयोग को बढ़ावा देने के कंपनी के उद्देश्य के अनुरूप है।

पूरे घर के निर्माण के लिए बीसी कनाडा से लकड़ी की तीन अलग अलग प्रजातियों का इस्तेमाल किया गया था। इन प्रजातियों को उनकी भारी शक्ति और आयामी स्थिरता के अद्वितीय गुणों के आधार पर चुना गया था। बेड फ्रेम, नाइटस्टैंड, आंगन के लिए बाड़ और घर की संरचना सभी स्प्रूस पाइन फर (एस-पी-एफ) से बने थे। पश्चिमी लाल देवदार से हैंगर स्टैंड, डेक, खिड़कियां, प्रवेश द्वार और बाहरी बेंच बनाए गए थे। इसके अलावा डगलस फ़र का उपयोग करके पूरे घर का फर्श बनाया गया था।

फर्नीचर मार्ट संचालक के घर पर वन विभाग ने मारा छापा

गोंदिया। वन विकास महामंडल ने छापा मारकर सागवान लकड़ी से भरे दो वाहनों सहित लाखों रूपये का फर्नीचर जब्त कर लिया। वन विकास महामंडल की अब तक की यह सबसे बड़ी कार्रवाई मानी जा रही है।

वन विकास महामंडल के वनपरिक्षेत्र अधिकारी मंगेश बागड़े अधिकारियों के साथ सालेकसा तहसील की गश्त पर निकले थे। सालेकसा दर्रेकसा मार्ग पर सालेकसा स्थित विनोद फर्नीचर मार्ट के सामने लकड़ी से भरा ट्रैक्टर पाया गया। उन्होंने अपना वाहन रोककर ट्रैक्टर चालक से यातायात लायसेंस पूछा। इस बीच विनोद फर्नीचर मार्ट का संचालक विनोद जैन मोटर साइकिल लेकर आया और सीधे मंगेश बागड़े पर चढ़ा दी। जिससे वह घायल हो गए। कुछ समय बाद जैन ने लायसेंस दिखाई। जबकि लायसेंस में उल्लेखित माल की अपेक्षा अधिक सागवन ट्रैक्टर में भरा था। जिससे वन विकास महामंडल के अधिकारियों ने ट्रैक्टर जप्त किया व पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज की। इसके बाद पुलिस ने सागवन भरा ट्रैक्टर अपने कब्जे में लिया व जैन सहित 3 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। वन विकास महामंडल भंडारा की टीम ने विनोद जैन की मालकी की साकरीटोला स्थित सॉ मिल से 10 ट्रैक्टर सागवन, सालेकसा स्थित घर से 2 मेटाडोर सागवन लकड़ी व फर्नीचर जप्त किया है। जप्त किए फर्नीचर व लकड़ी की कीमत 40 लाख रूपये है। इस संबंध में वन विकास महामंडल भंडारा के व्यवस्थापक एम.ए.गांधिले ने बताया कि सालेकसा स्थित विनोद फर्नीचर मार्ट के खिलाफ की गई कार्रवाई में बड़े पैमाने पर बिना लायसेंस सागवान लकड़ी पाया गया।

देवदार लकड़ी के तस्कर पकड़े गए

मंडी। वन विभाग ने वन काटुओं के खिलाफ कार्रवाई करते हुए देवदार की लकड़ी बरामद की है, जिसकी कीमत 98 हजार रुपए आंकी गई है। मीडिया खबरों के मुताबिक पलसेहड़ के पास वन विभाग की टीम गश्त पर थी और इसी दौरान रात लगभग 10 बजे एक ऑटो सड़क किनारे रुका था।

विभाग की टीम ने ऑटो के अंदर देखा तो उसमें देवदार की 60 कड़ियां तिरपाल डालकर ढकी थी। अधिकारियों ने लकड़ी के दस्तावेज मांगे तो ऑटो चालक कोई दस्तावेज नहीं दिखा पाया। ऑटो चालक को गिरफ्तार कर लिया गया जबकि 2 आरोपी मौके से फरार हो गए। वन परिक्षेत्र अधिकारी पनारसा अनु ठाकुर ने बताया कि ऑटो चालक देवदार की लकड़ी कहां से लाया, इसकी जांच की जा रही है। वन परिक्षेत्र पनारसा की बालु बीट अति संवेदनशील है जहां पिछले कई वर्षों से देवदार की लकड़ी की तस्करी का सिलसिला जारी है। इस वर्ष अब तक 4 मामलों में 10 तस्करों को पकड़ा जा चुका है।

महाकोल कारपेंटर सम्मेलन में जुटे कारीगर

मुंबई। महाकोल बनाने वाली कंपनी निखिल एडहेसिव लिमिटेड की ओर से बोरीवली में कारपेंटर सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन में निखिल एडहेसिव लिमिटेड के उत्पाद महाकोल माइका स्पेशल, महाकोल एन 3, महाकोल महाक्विक, महाकोल जलवीर, महाकोल एमपी, महाकोल पीवीसी ग्लू और हीटफिट के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई।

महाकोल एडहेसिव के एरिया सेल्स मैनेजर अशोक पांचाल ने कहा कि महाकोल एडहेसिव की उत्पाद गुणवत्ता फर्नीचर कारीगरों रास आने लगी है, इस लिए महाकोल एडहेसिव कारपेंटर भाईयों का मनपसंद एडहेसिव बन गया है। उन्होंने कहा कि महाकोल एडहेसिव अपने व्यापक नेटवर्क के जरिये से देशभर में कारपेंटर सम्मेलन कर रही है। इस अवसर पर कंपनी के पंचम सैकिआ, संतोष दलवी, धर्मेंद्र सिंह, वितरक हीरा लेमिनेट्स के नंदू शाह, कारपेंटर्स वेलफेयर एसोसिएशन के महामंत्री दिनेश विश्वकर्मा ने भी विचार रखे।

छोटे शहरों में भी स्टोर खोलेगी आइकिया

मुंबई। घरेलू साज-सज्जा क्षेत्र की स्वीडिश फर्नीचर कंपनी आइकिया अपने ऑनलाइन चैनल के साथ भारत के छोटे शहरों में भी अपने स्टोर खोलने की योजना बना रही है। आइकिया ने देश में पिछले 10 वर्षों में 10 फर्निशिंग व घरेलू साज-सज्जा स्टोर खोलने की परिकल्पना की थी। अब कंपनी ने 15 और स्टोर खोलने की योजना बनाई है। केंद्र सरकार ने 2013 में आइकिया को भारत में स्टोर खोलने के लिए 10,500 करोड़ रुपये के निवेश की मंजूरी दी थी। वर्तमान में इसके हैदराबाद, नवी मुंबई और बेंगलुरू में तीन मेगा फॉर्मेट स्टोर और मुंबई में दो सिटी सेंटर स्थापित हैं।

आइकिया इंडिया की मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) सुजेन पुल्वरर ने मीडिया से बातचीत में कहा कि हमने छोटे प्रारूपों पर भी ध्यान

दिया है जो भारतीय खुदरा क्षेत्र के लिए अपेक्षाकृत बड़े हैं। सुजेन पुल्वरर ने ऑनलाइन विस्तार के बारे में बताया कि आइकिया फर्जिकल उपस्थिति दर्ज कराने के साथ ही ऑनलाइन के जरिए भी कारोबार करना चाहती है। इस समय यह सबसे अच्छा विकल्प भी है। कंपनी ने ऑनलाइन के माध्यम से भारत में कारोबार की संभावनाएं तलाशने के लिए गुजरात के तीन शहरों में कुछ प्रयोग भी किए हैं।

कंपनी ने पाया है कि कुल बिक्री में ऑनलाइन कारोबार का योगदान लगभग 30 प्रतिशत है। कोरोना महामारी के समय इसमें बढ़ोतरी हुई थी। फिलहाल यह उच्च स्तर पर बना हुआ है। आइकिया बेंगलुरु, हैदराबाद, मुंबई, पुणे, अहमदाबाद, सूरत और वडोदरा जैसे शहरों में अपनी धमक बना चुकी है। आइकिया अपने ग्राहकों को वेबसाइट या ऐप के माध्यम से ऑनलाइन उत्पादों की पेशकश कर रही है।

कारपेंटर्स न्यूज

RNI NO. MAHHIN/2005/16460

संपर्क करें : Mo. 9320566633 | Email: carpentersnews@gmail.com

हमें फॉलो करें : Facebook.com/carpentersnews | Telegram: https://t.me/carpenters_news

श्री विश्वकर्मा महापूजा के अवसर पर सुधि पाठकों, विज्ञापनदाताओं समेत सभी शुभचिंतकों को हार्दिक शुभकामनाएं। – संपादक

मुंबई | सितंबर 2022 | वर्ष : 17 | अंक : 10 | पृष्ठ : 16 | मूल्य : 2 रुपए

Godrej | LOCKS & ARCHITECTURAL FITTINGS AND SYSTEMS

FOR A SAFER, SMARTER LIVING EXPERIENCE.

गोदरेज की तरफ से पेश है नया ड्रॉअर चैनल

सुपीरियर इंजीनियरिंग अब आकर्षक कीमत पर उपलब्ध है

विश्वकर्मा पूजा की हार्दिक शुभकामनाएं

35 किलो वज़न उठाने की क्षमता

नया ड्रॉअर चैनल किचन, ड्रॉअर्स, वार्डरोब्स और कैबिनेट्स के लिए सबसे उपयुक्त है.

75,000 से ज़्यादा लाईफ़ साइकल्स के लिए परीक्षण

सीआरसीए शीट धातु से बना होने की वजह से ये ज़्यादा चले

पॉज़िटिव स्टॉप लगा होने की वजह से ड्रॉअर पूरी लंबाई तक खुलने के बाद भी नहीं गिरेगा.

ज़िंक प्लेटिंग और ब्लैक पाउडर कोटेड फिनिशेज़ में भी उपलब्ध है.

1800 209 5511 | www.godrej.com | GodrejLocks | GodrejLocksS

पारंपरिक कौशल को वक्त के साथ तराशने की जरूरत

कारपेंटर्स न्यूज की वेबसाइट लांच

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार के कौशल विकास और उद्यमिता एवं स्टार्टअप मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा ने कहा कि पारंपरिक फर्नीचर व्यवसाय से जुड़े कारीगरों को अब कौशल क्षमता के साथ आगे बढ़ना होगा। लोअर परेल स्थित लोढ़ा वर्ल्ड टॉवर्स में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर कारपेंटर्स न्यूज़ की वेबसाइट www.carpentersnews.com लांचिंग के बाद लोढ़ा ने कहा कि बदलते समय के साथ कारीगरों को खुद को भी तराशना होगा।

उन्होंने कहा कि तकनीक के दौर में नए-नए कौशल विकास की अनिवार्य शर्त बन गई है और कौशल भारत मिशन करोड़ों युवाओं को कौशल के साथ रोजगार के नए अवसर भी दी है। देश की असंगठित कार्य स्थिति को भी औपचारिक बनाने के लिए पारंपरिक कौशल को प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के तहत पूर्व के अनुभव को मान्यता देने की भी पहल हुई ताकि असंगठित क्षेत्र को संगठित क्षेत्र में बदला जा सके। दुनिया की सबसे अधिक युवा आबादी वाले भारत ने कौशल क्षमता के विकास को नई दिशा दी है, जहां हुनर से अपनी जिंदगी संवार कर राष्ट्र का युवा अपने लिए विकास और उन्नति के द्वार खोल रहे हैं। साथ ही स्किल, रि-स्किल और अप-स्किल करोड़ों युवाओं और कमजोर वर्ग के लिए कौशल के साथ रोजगार का एक मंत्र बन गया है। कौशल भारत मिशन युवाओं को बेहतरीन मानव संसाधन के रूप में बदल रहा है, कौशल को नई पहचान दिलाई है और आत्मनिर्भर भारत का संकल्प साकार हो रहा है। इस अवसर पर श्रीमती मंजू लोढ़ा, भाजपा मुंबई उपाध्यक्ष आचार्य पवन त्रिपाठी, कारपेंटर्स न्यूज़ के संपादक गंगाराम विश्वकर्मा, भाजपा मुंबई मीडिया प्रमुख संदीप शुक्ला, अनिल विश्वकर्मा, काशीनाथ गुप्ता, सत्यजीत विश्वकर्मा, रोहित सिंह आदि उपस्थित रहे।

ज्योतिष के छात्र बनेंगे इंटीरियर, सवारेंगे घर

वाराणसी। ज्योतिष और संस्कृत सीखने वाले छात्र अब घर की साज सज्जा में मुख्य भूमिका निभाने जा रहे हैं। वाराणसी के संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय के दीनदयाल उपाध्याय कौशल केंद्र के अंतर्गत विश्वविद्यालय में इंटीरियर कोर्स शुरू किया जा रहा है। समय के साथ अब संस्कृत विश्वविद्यालय भी अपग्रेड हो रहा है।

विश्वविद्यालय के जनसंपर्क अधिकारी शशींद्र मिश्र ने मीडिया को बताया कि इसके लिए प्रधानमंत्री द्वारा शुरू किए गए दीनदयाल उपाध्याय केंद्र के अंतर्गत इंटीरियर कोर्स शुरू किया गया है। जिसमें छात्र व छात्राओं को आर्किटेक्ट के गुण सिखाए जाएंगे। दरअसल ये कोर्स ज्योतिष वास्तुशास्त्र के साथ सम्मिलित किया गया है। ताकि आधुनिक समय में वास्तु के साथ ही घर का इंटीरियर हो सके और घरों के मालिक को भौतिक सुख के साथ ही आध्यात्मिक लाभ भी दे सके। इसी उद्देश्य के साथ संस्कृत बोलने और ज्योतिष जानने वाले छात्रों को इंटीरियर कोर्स सिखाने की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है।

इस कोर्स में जहां संस्कृत के छात्रों को रोजगार मिलेगा तो वहीं वास्तु के साथ घर के मालिकों को इंटीरियर की सुविधा मिलेगा यानी आप कह सकते हैं कि कॉम्बो पैक में आपके घर का आंतरिक साज सज्जा घर पूरी तरह से सुसज्जित होगा। मिश्र ने बताया कि दीन दयाल उपाध्याय कौशल केंद्र के अंतर्गत ज्योतिष एवं कर्मकांड तथा वास्तुशास्त्र एवं आंतरिक सज्जा पाठ्यक्रम में प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ है। जिसमें इंटीरियर के पाठ्यक्रम वास्तुशास्त्र का पूरक है।

इंटीरियर का कार्य सदियों से होता आया है जो राजा महाराजा होते थे उनके राजभवन में आंतरिक साज-सज्जा वास्तु के दृष्टि के अनुसार होते थे जो कि शास्त्र परक है। कल्पना शक्ति के साथ ही इसे और विकसित किया जा सकता है। भारतीय संस्कृति में जो व्यवस्था मानव जीवन को संचालित करने के लिये है, वह उसे और समाज को कितना लाभ पहुंचा सकता है इसका ध्यान शास्त्रों में निहित है उसी का एक अन्वेषण यह पाठ्यक्रम है। इसमें छत दीवार में कांच, लकड़ी व पीओपी आदि के कार्य विशेष रूप से करने का प्रशिक्षण प्राप्त होगा। प्रधानमंत्री ने कौशल विकास को बढ़ावा देकर संस्कृत के विद्यार्थियों को ऐसे पाठ्यक्रमों के संचालन पर जोर दिया है। ताकि एक तरफ तो उन्हें रोजगार का मार्ग मिलेगा साथ ही हमारे शास्त्रों के ज्ञानराशि का लाभ भी समाज को मिलता रहे।

महाराष्ट्र स्टार्टअप और इनोवेशन यात्रा की शुरुआत

मुंबई। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने राज्य के युवाओं में स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए महाराष्ट्र स्टार्टअप और इनोवेशन यात्रा का शुभारंभ किया। राज्य सरकार के कौशल, रोजगार, उद्यमिता और नवाचार विभाग के माध्यम से सरकारी निवास वर्षा बंगले पर उद्घाटन अवसर पर कौशल विकास और उद्यमिता एवं स्टार्टअप मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा, सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे, संयुक्त सचिव, कौशल विभाग और महाराष्ट्र स्टेट इनोवेशन सोसाइटी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी नामदेव भोसले, निदेशक व्यवसाय शिक्षा एवं प्रशिक्षण दिगंवर दलवी, उपायुक्त कौशल विकास डी. डी. पवार के साथ महाराष्ट्र स्टेट इनोवेशन सोसायटी के अधिकारी उपस्थित रहे।

स्टार्टअप यात्रा के माध्यम से प्रदेश के 6 विभागों में स्टार्टअप्स, उद्यमिता, इनोवेशन, यूनिकॉर्न के बारे में जोरदार प्रचार-प्रसार किया जाएगा और नव संकल्पनाओं के साथ आने वाले युवाओं को प्रशिक्षण और उनकी संकल्पनाओं को प्रस्तुत करने का अवसर मिलेगा। साथ ही बेहतरीन कॉन्सेप्ट प्रस्तुत करने वाले 134 युवाओं को 10 हजार से एक लाख रुपये तक के पुरस्कार दिए जाएंगे।

यात्रा में शामिल की गई एक विशेष मोबाईल वैन उद्यमिता और स्टार्टअप के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए राज्य के प्रत्येक तालुक में स्कूलों, कॉलेजों, आईटीआई, सार्वजनिक सभा स्थलों का दौरा करेगी। यात्रा में जिला स्तरीय प्रशिक्षण शिविर व प्रस्तुति सत्र का भी आयोजन किया गया है, जिसमें स्थानीय उद्यमियों के व्याख्यान होंगे। कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य, सतत विकास, स्मार्ट बुनियादी ढांचे और गतिशीलता, ई-गवर्नेस और अन्य में नवीन अवधारणाओं वाले स्टार्टअप को पुरस्कार दिए जायेंगे।

कारपेंटर ने लकड़ी पर उकेरी हनुमान चालीसा

कानपुर। कारपेंटर का काम करने वाले संदीप सोनी ने स्क्रैप का उपयोग करके लकड़ी के बोर्ड पर हनुमान चालीसा के दोहे और श्लोक उकेरे हैं। इसे वह उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को उपहार के रूप में देना चाहते हैं। इससे पूर्व संदीप ने लकड़ी के तख्तों पर भगवद गीता के 18 अध्याय और 706 श्लोक लिखकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भेंट की थी। पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद को भी लकड़ी पर राम रक्षा स्तोत्र लिखकर तोहफा भेंट कर चुके हैं। कारपेंटर संदीप की काम तब सुर्खियों में आया, जब उन्होंने प्रधानमंत्री को भगवद् गीता उपहार में देने की इच्छा व्यक्त की थी। इसके बाद पीएमओ कार्यालय ने उन्हें बुलाया और उन्होंने पीएम मोदी को अपनी रचना भेंट की थी।

लकड़ी से हिंदू धर्म के ग्रंथों को लिखने के लिए प्रसिद्ध संदीप ने 8 महीनों में हनुमान चालीसा लकड़ी के स्क्रैप से गत्ते में लिखी है। उन्होंने साढ़े तीन साल की कड़ी मेहनत से 32 कार्ड बोर्ड में लकड़ी के स्क्रैप से 18 अध्याय और 706 श्लोक लिखकर श्रीमद्भगवद्गीता लिखी थी।

NIKHIL

श्री विश्वकर्मा

महापूजा की हार्दिक शुभकामनाएं

ॐ विश्वकर्मणे नमः
निर्बल हैं तुझसे बल मांगते हैं,
श्रद्धा का प्रभु जी फल मांगते हैं.
विश्वकर्मा महापूजा की
हार्दिक शुभकामनाएं

Mahacol®
The Right Adhesive
महाकोल

German Technology

www.creative-garage.in

Since 1986
Suzu®
An ISO 9001:2015 Certified Company | | CE Certified

36 Growing Years
INDIA'S 1ST STAINLESS STEEL SHACKLE Padlocks ...Series...
INDIA'S 1ST S.S HINGES MANUFACTURER Hinges ...Series...

FROM THE DESK OF CEO

Suzu Steel (India) is one of the leading Companies of India who pioneered in manufacturing of Locks & Door hardware Fittings. Suzu brand was established in 1986 under the guidance of Mr. Sushil Bansal and Mr. Brijbhushan Bansal from Rohtak (Haryana). The company has made tremendous progress in terms of adding manufacturing plants as well as penetrating market all over India. We are proud to see that Mr. Animesh Bansal, Director & Mr. Sachin Bansal, Director both are very progressive and positive about the future of SUZU brand in India. Their guiding force during last few years, company has developed more than 400 direct distributors and wholesalers catering to every corner of India and more than 20000 retailers where SUZU is providing quality products services. We are doing well into the Government , Builders & institutions sectors. During last 3-4 years company has expanded in various ranges in exports all over the world.

SUZU means Quality and appreciated in trade, Institutionals, Government Departments & International Client. We are continuously improving our Quality, Services and multiplying our network worldwide. We are aiming to give our presence within Top 4 Hardware brands of India in next 5 years time. We sincerely thank all our clients, trade partners & consumers for patronizing SUZU brands for their needs of locks & door hardware items.

Success Mantra

"Our entire Sales & Backup support team believe giving best quality & services to achieve consumer satisfaction" which is our success mantra.

Vijay Kumar Dutta
C.E.O.

~ Our Global Associates ~
DUBAI | GERMANY | U.K. | NEPAL | BANGLADESH | BHUTAN | SRI LANKA | NIGERIA | KENYA | TANZANIA

www.suzusteel.com | www.suzu.in
Find us on :

विश्वकर्मा समाज की उपेक्षा और अपमान बर्दाश्त नहीं

नागपुर। अखिल भारतीय विश्वकर्मा शिल्पकार महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्वमंत्री रामआसरे विश्वकर्मा ने कहा कि पूरे देश में विश्वकर्मा समाज का उत्पीड़न हो रहा है। विश्वकर्मा समाज के उत्पीड़न और अत्याचार की लड़ाई लड़ने के लिये अब समाज को खुद आगे आना होगा। अखिल भारतीय विश्वकर्मा शिल्पकार महासभा की ओर से रविवार, 28 अगस्त को सिविल लाइन स्थित सीपी क्लब में राजकीय संकल्प परिषद में विश्वकर्मा ने कहा कि जब उत्तर प्रदेश में विश्वकर्मा समाज को सरकार में हिस्सेदारी मिल सकती है तो महाराष्ट्र में विश्वकर्मा को हिस्सेदारी क्यों नहीं मिल सकती? उत्तर प्रदेश में 17 सितंबर को भगवान विश्वकर्मा के पूजा पर सार्वजनिक अवकाश हो घोषित सकता है तो महाराष्ट्र में विश्वकर्मा पूजा का अवकाश क्यों नहीं हो सकता? जब तक समाज के लोग विधायक, सांसद और मंत्री नहीं बनेगे तब तक विश्वकर्मा समाज की आवाज सरकार और सदन तक नहीं पहुंचाई जा सकती।

11 दिसंबर को नागपुर में विश्वकर्मा महासम्मेलन

उन्होंने ने कहा कि विश्वकर्मा समाज को जनसंख्या के अनुरूप लोकसभा, राज्यसभा, विधानसभा और सरकार में हिस्सेदारी दिया जाना चाहिए। हमारे लोहे और लकड़ी के कारोबार और रोजगार के लिये कानून बने और विकास के लिये नीति बनायी जाए। आरक्षण के तहत विश्वकर्मा समाज के युवकों को नौकरी और रोजगार दी जानी चाहिए। भगवान विश्वकर्मा ने आदिकाल से ही सभी देवी देवताओं की आवश्यकता को पूर्ण किया। भगवान विश्वकर्मा ने भगवान शिव को सोने का महल, भगवान कृष्ण को द्वारिकापुरी, भगवान इन्द्र को इन्द्रपुरी तथा यम को यमपुरी दिया तो भगवान राम के लिये पुष्पक विमान का निर्माण करके अपनी महत्ता को उस समय बनाये रखा था। आज उनके वंशज विश्वकर्मा समाज का महत्व व पहचान विलुप्त हो रही है। देश दुनिया का विकास और निर्माण विश्वकर्मा समाज से ही प्रारंभ हुआ। विकास और तकनीकी निर्माण में विश्वकर्मा वशंजों ने समय समय पर बड़ा योगदान दिया है। मगर हम आज तक राजनैतिक भागीदारी नहीं ले पाये और न विधायक सांसद व मंत्री बना पाये, जिसके कारण हम विकास की दौड़ में पीछे रह गये। रामआसरे विश्वकर्मा ने आह्वान किया कि विश्वकर्मा समाज के सम्मान, स्वाभिमान और हिस्सेदारी के लिए विश्वकर्मा समाज एकजुट होकर संघर्ष करे हम उन्हें ताकत देंगे। अखिल भारतीय विश्वकर्मा शिल्पकार महासभा के महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष शंकरराव चुरागले ने कहा कि 11 दिसंबर 2022 को नागपुर में राज्यस्तरीय विश्वकर्मा महासम्मेलन किया जाएगा। उन्होंने नारा दिया हम लड़ेंगे, हम बढ़ेंगे। हमें विश्वकर्मा होने पर गर्व है। इस अवसर पर उद्योगपति हरीश रेवडिया, संस्था के राष्ट्रीय महासचिव गंगाराम विश्वकर्मा, अंकुश रेवडिया, विष्णुपंत मोरेकर, दिनेश येवले,अनिता दरवेकर, गजानन देवरेकर, मधुकर खंडारकर, उमेश प्रधान, राजेश परायेय, दिनेश पणघान, राम भरोसे मतलानी, महेश मोहडे, मनीष मानुसमारे, बाबाराव सोनवाने, प्रकाश वडोतकर, गिरीश नौगडे, गौतम शर्मा, सुरेन्द्र एनसकर आदि सहित विश्वकर्मा समाज के विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने अपने विचार रखे।

विश्वकर्मा समिति मुंबई का ऐतिहासिक क्षण

विश्वकर्मा समिति मुंबई, सांताक्रुज संस्था में करीब डेढ़ दशक से चल रही क़ानूनी लड़ाई खत्म हो गई। चैरिटी कोर्ट में विभिन्न केस दायर करने वाले सभी सदस्यों ने गठित टास्क टीम के मार्गदर्शन में मुंबई चैरिटी कोर्ट, वरली पहुंचकर केस वापस ले लिया। इस अवसर पर टास्क टीम के सदस्य राजेंद्र विश्वकर्मा, अधिवक्ता जे. पी. शर्मा, सुनील राणा के साथ दुर्गा विश्वकर्मा, लालजी शर्मा, चंद्रकेश विश्वकर्मा, चंद्रवली विश्वकर्मा, बाबूलाल विश्वकर्मा, दिनेश शर्मा, रामनरेश विश्वकर्मा, अवधेश विश्वकर्मा, धनराज शर्मा, गंगाराम विश्वकर्मा, माखनलाल विश्वकर्मा, अनिल विश्वकर्मा, महेंद्र विश्वकर्मा, विजयशंकर विश्वकर्मा उपस्थित रहे।

मेधावी विद्यार्थियों का होगा सम्मान

जम्मू। श्री विश्वकर्मा महापूजा के अवसर पर 18 सितंबर 2022 को प्रदेश विश्वकर्मा सभा जम्मू कश्मीर की ओर से समाज के मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान किया जाएगा। संस्था के गुड़ा बख्शी नगर स्थित मुख्यालय में आयोजित समारोह में जिन विद्यार्थियों ने दसवीं या उससे ऊपर की कक्षा में 75 प्रतिशत अंक हासिल किये हैं, उन्हें सम्मानित किया जायेगा।

28 अगस्त को प्रदेश विश्वकर्मा सभा जम्मू कश्मीर की हुई बैठक में प्रधान शशि वर्मा, विजय कुमार, बंधना सागर, राज चलोत्रा, तरसेम वर्मा,मास्टर कृष्ण सभ्रवाल, सुभाष वर्मा, जोगिंदर पाल,शाम चरगोतरा, राजेन्द्र कुमार, अमरजीत चरगोतरा, चरणजीत चरगोतरा, जयपाल चरगोतरा आदि उपस्थित रहे।

गौशाला को दवाएं दान की

फगवाड़ा। श्री विश्वकर्मा चैरिटेबल हॉस्पिटल ट्रस्ट फगवाड़ा के प्रधान बलवंत राय धीमान, पशु चिकित्सक डॉ. जसप्रीत सिंह और सुरिंदर पाल धीमान ने गोविंद गौधाम गौशाला समिति फगवाड़ा के अध्यक्ष अनिल दत्त, पशु चिकित्सा अधिकारी मुकेश गुप्ता, विपिन जॉली को गौशाला के लिए दवाएं दान की।

प्रधान बलवंत राय धीमान ने क्षेत्रवासियों से कहा कि गायें इन दिनों चर्म रोग से पीड़ित हैं। उनके इलाज के लिए गौशाला को यथासंभव सहयोग सेवा दी जानी चाहिए।

विश्वकर्मा समाज ने लिया एकता संकल्प

कानपुर। विश्वकर्मा एकीकरण अभियान की ओर से मोदीनगर में आयोजित विश्वकर्मा सम्मेलन में समाज को राजनैतिक रूप से मजबूत करने को लेकर एकजुट होने का संकल्प लिया गया।

अभियान प्रमुख जे एन विश्वकर्मा ने कहा कि जनसंख्या के दृष्टिकोण से हम पर्याप्त हैं बस समाज को सिर्फ एकजुट होकर आगे आने की जरुरत है। उन्होंने कहा कि जो समाज को आगे बढ़ाने की दिशा में काम करेगा, उसी का साथ दिया जाएगा। केंद्रीय प्रभारी डी ए दलवी ने

कहा कि शिक्षा व राजनीति वह कुंजी है, जो उन्नति के सभी रास्ते खोलती है।

केंद्रीय संचालक रामनरेश शर्मा ने कहा कि विश्वकर्मा वंशज बुद्धि, विद्या व कला में अग्रणी होते हुए भी राजनीतिक चेतना के अभाव एवं संख्या बल के बिखरे होने के कारण सत्ता में भागीदारी हासिल नहीं कर पाये हैं। केंद्रीय संचालक वी के विश्वकर्मा ने कहा कि विश्वकर्मा एकीकरण अभियान बिखरे विश्वकर्मा समाज को संगठित करके एक मंच पर लाने के लिए लगातार काम कर रही है। मंच का संचालन विश्वकर्मा एकीकरण अभियान के उत्तर प्रदेश प्रभारी अधिवक्ता नरेश पांचाल ने किया। इस अवसर पर महाराजा जस्सा सिंह पर आधारित एक स्मारिका का विमोचन किया गया। समारोह में बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे।

कार्पर से करें राऊटर और ट्रिमर का काम एक साथ

लुधियाना। एंडीको पावर टूल्स शुद्ध भारतीय कंपनी है। कारपेंटर भाइयों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए कंपनी अपने नए मशीनों की डिजाइन करती है। जिसमें क्वालिटी और सर्विस का पूरा-पूरा ध्यान रखा जाता है। ग्राहक की संतुष्टी करना कंपनी का मुख्य लक्ष्य है।

अभी हाल ही में कंपनी की तरफ से कार्पर प्रोडक्ट लांच किया गया है। एंडीको पावर टूल्स का दावा है कि ऐसा प्रोडक्ट दुनिया में किसी कंपनी ने नहीं बनाया है। विशेष तरह की डिजाइन होने की वजह से कार्पर 6mm ट्रिमर 8mm राऊटर का काम बहुत आसानी से और कम समय में करता है। इसके अलावा एंडीको पावर टूल्स ने एक और प्रोडक्ट को लांच किया है। जिसका नाम SLOK30 है। यह एक गाइड वाला वुड कटर है। जिसमें बुरादा नहीं उड़ता और कारीगर बहुत आसानी से और कम समय में अपना कम कर सकते हैं। इसकी गाइड को 4 तरीके से प्रयोग किया जा सकता है। एंडीको के इन प्रोडक्ट्स की खास विशेषता होने की वजह से मार्किट में इसकी प्रतिक्रिया काफी अच्छी है। कारपेंटर भाइयों ने इन प्रोडक्ट्स को उपयोग करने के बाद एंडीको पावर टूल्स की सराहना की है।

शंकराचार्य स्वरूपानंद सरस्वती नहीं रहे

नरसिंहपुर। हिंदुओं के सबसे बड़े धर्मगुरु द्वारका शारदा पीठ के शंकराचार्य स्वरूपानंद सरस्वती का 99 साल की उम्र में निधन हो गया है। मध्यप्रदेश के नरसिंहपुर में उनका निधन हुआ। लंबे समय से बीमार चल रहे शंकराचार्य स्वरूपानंद सरस्वती अपने आश्रम में दोपहर 3 बजे के करीब अंतिम सांस ली। कुछ दिन पहले ही उन्होंने अपना 99वां जन्मदिन धूमधाम के साथ मनाया था। 2 सितंबर 1924 में उनका जन्म हुआ था। वह द्वारका और ज्योतिर्मठ पीठ के शंकराचार्य थे। देश की आजादी के लिए शंकराचार्य स्वरूपानंद ने अंग्रेजों का भी सामना किया था। उनका बचपन का नाम पोथीराम था। उन्होंने

काशी में करपात्री महाराज से धर्म की शिक्षा ली थी। 1942 में भारत छोड़ो आंदोलन के समय वह भी आंदोलन में कूद पड़े थे। उन्हें दो बार जेल भी जाना पड़ा। 1989 में उन्हें शंकराचार्य की उपाधि मिली थी। शंकराचार्य स्वरूपानंद सरस्वती अपनी बेबाकी के लिए जाने जाते थे। उन्होंने राम मंदिर ट्रस्ट को लेकर सरकार भी सवाल खड़े कर दिए थे। उन्होंने कहा था कि भगवा पहन लेने से कोई सनातनी नहीं बनता। उन्होंने कहा था कि जन्मभूमि तीर्थ ट्रस्ट में कोई भी ऐसा शख्स नहीं है जो कि प्राण प्रतिष्ठा कर सके। उन्होंने धन को लेकर भी ट्रस्ट पर सवाल खड़े किए थे। राम मंदिर के लिए भी उन्होंने लंबी लड़ाई लड़ी।

साइकिल ट्रेड फेयर 2022 का आयोजन

लुधियाना। फीको फेडरेशन ऑफ इंडस्ट्रियल एंड कमर्शियल आर्गनाइजेशन के सहयोग से आयोजित साइकिल ट्रेड फेयर 2022 ने साइकिल निर्माताओं के साथ-साथ साइकिल पार्ट्स निर्माताओं सहित लुधियाना साइकिल उद्योग के लिए एक बड़ा व्यवसाय उत्पन्न किया है। इस बार साइकिल ट्रेड फेयर में लुधियाना के साइकिल इंडस्ट्रीज के कई नए उत्पादों को विशेष रूप से हीरो इकोटेक लिमिटेड, रवि इंडस्ट्रीज, हिप्पो, नोवा साइकिल इंडस्ट्रीज, एवन साइकिल, कुलार इंटरनेशनल, रमन घई इंडस्ट्रीज, यूनिक्रास बाइक्स, जिंदल फाइन इंडस्ट्रीज, ओम इंडस्ट्रीज द्वारा लांच किये गए। फीको के प्रधान गुरमीत

सिंह कुलार ने कहा कि साइकिल व्यापार मेले ने लुधियाना इंडस्ट्रीज को एक बड़ा अवसर प्रदान किया है।

OZONE
FOR A SAFER WORLD

किचन को
— जैसे भी —
मिसयूज़ करो

हम सब
संभाल लेंगे

ओजोन आर्किटेक्चरल हार्डवेयर की दुनिया में एक प्रमुख नाम है और इलेक्ट्रॉनिक सिक्योरिटी सेगमेंट में एक उभरता और लोकप्रिय ब्रांड है. हम 20 देशों में आर्किटेक्ट्स, बिल्डर्स, स्पेसिफायर्स और होम ओनर्स के लिए इनोवेटिव टेक्नोलॉजी से उपयुक्त समाधान प्रदान करतें हैं. हमारे वर्ल्ड-क्लास भरोसेमंद प्रोडक्ट्स चले सालों साल, बिना रुकावट के.

ओजोन ने जीता अपने कस्टमर्स का दिल, अपनी बेहतरीन परफॉरमेंस से

ओजोन और इंडियन किचन का बेजोड़ कनेक्शन किसी ही जर्मन किचन से मुकाबले में नहीं है कम.

ज्यादातर ब्रांड्स जर्मन किचन का ज़िक्र करतें हैं, पर ओजोन ने अपनी परफॉरमेंस की बदौलत भारतीयों का दिल जीता. इंडियन परिवार ज्यादातर बड़े होते हैं और सभी सदस्यों के किचन को इस्तेमाल करने का ढंग एक दुसरे से बिलकुल अलग होता है. कोई पैंट्री आराम से खोलता है, तो कोई मुक्के से बंद करता है. कोई शेल्फ डोर्स लात मार के बंद करता है, तो कोई कड़छी से ड्रॉर खींचता है. और बच्चें भी ड्रॉर में बैठ के खेलते देखे जा सकतें हैं यह सारे इस्तेमाल के तरीके किचन में लगी फिटिंग्स पर ज़ोर डालते हैं.

और सभी ब्रांड इस खींच तान को झेलने की क्षमता नहीं रखते.

हम सब संभाल लेंगे

दुसरे ब्रांड्स की किचन फिटिंग्स इस्तेमाल में सावधानी बरतने वाली वैधानिक चेतावनी के साथ आते हैं. पर ओजोन रहे सबसे बेखौफ. अब आप किचन को उसी तरह इस्तेमाल कीजिये जैसे आप उसके आदि हैं. हम आपके हर तरह के प्रेशर को संभाल लेंगे.

किचन अगर मॉडुलर हो गया है तो क्या, आप टूट फुट से रहें बेफिक्र. आपका किचन नहीं देगा आपको किसी शिकायत का मौका.

हमारे प्रोडक्ट्स इतने मज़बूत हैं की यह हर तरह के प्रेशर को झेल सकतें हैं. और यह आश्वासन सिर्फ एक दवा नहीं एक वि वास है जिसके पीछे है हमारे प्रोडक्ट्स की जबरदस्त क्वालिटी, और सर्वोत्तम मटेरियल जिन से हम इनको मैन्यफैक्चर करतें हैं. यह हजारों टेस्ट साइकल्स की कठोर से कठोर जांच क्रिया से गुजारके ही आपके घर पहुँचते हैं. हमारे प्रचार से भी ज्यादे हमारे हैप्पी कस्टमर्स अपनी तारीफ से इन्हे बेचने में हमारा साथ देतें हैं, तभी यह इतनी तादाद में बिकते हैं. हमने केवल अपनी क्वालिटी और परफॉरमेंस से अपने ग्राहकों का दिल जीता है.

आप जैसे भी यूज़ करो हम सब संभाल लेंगे

व्हाई ओजोन प्रोडक्ट्स?

ओजोन के प्रोडक्ट्स डयूरेबल हैं और अपने हाई परफॉरमेंस और भरोसे का कीर्तिमान स्थापित कर चुके हैं. हम इन्हे विकसित टेक्नोलॉजी और नवीनतम प्रक्रियाओं से बनाते हैं. इनका डिजाईन इंडियन किचन को ध्यान में रखते हुए किया गया है, ताकि यह हर तरह के इस्तेमाल को झेल सकें. हम आपके किचन का वर्कलोड काम तो नहीं कर सकते पर आपकी किचन की परफॉरमेंस, उसपे लगने वाली लागत, उसकी डयूरेबिलिटी

की चिंताएं जरूर घटा सकतें हैं ताकि आप सुकून से रह सकें.

Get in touch for any product related queries:
Ozone customer care: +91 9310012300 (Call/WhatsApp), Visit: www.ozone-india.com

श्री विश्वकर्मा पूजा का महत्व

हमारे हिन्दू धर्म में भगवान विश्वकर्मा को सृष्टि का निर्माणकर्ता या शिल्पकार माना जाता है। भगवान विश्वकर्मा को ही विश्व का पहला इंजीनियर भी कहा जाता है। इसके साथ ही साथ विश्वकर्मा जी को यंत्रों का देवता भी माना जाता है। हमारे हिन्दू धर्म में विश्वकर्मा पूजा या विश्वकर्मा जयंती को लेकर कई धारणाएं हैं। जिसमें से एक मान्यता के मुताबिक भगवान विश्वकर्मा का जन्म आश्विन मास की कृष्णपक्ष की प्रतिपदा तिथि को हुआ मानते हैं। जबकि दूसरी मान्यता के मुताबिक यह माना जाता है कि भगवान विश्वकर्मा का जन्म भाद्र मास की अंतिम तिथि को हुआ था। वहीं इन सबसे अलग एक मान्यता के मुताबिक विश्वकर्मा पूजा को सूर्य पारगमन के आधार पर तय किया गया जिसके चलते विश्वकर्मा पूजा हर वर्ष 17 सितंबर को मनाया जाता है।

इस तरह से करें भगवान विश्वकर्मा की पूजा–

सुबह उठकर स्नानादि कर पवित्र हो जाएं। फिर पूजन स्थल को साफ कर गंगाजल छिड़क कर उस स्थान को पवित्र करें। एक चौकी लेकर उस पर पीले रंग का कपड़ा बिछाएं। पीले कपड़े पर लाल रंग के कुमकुम से स्वास्तिक बनाएं। भगवान गणेश का ध्यान करते हुए उन्हें प्रणाम करें। इसके बाद स्वास्तिक पर चावल और फूल अर्पित करें। फिर चौकी पर भगवान विष्णु और विश्वकर्मा जी की प्रतिमा या फोटो लगाएं। एक दीपक जलाकर चौकी पर रखें। भगवान विष्णु और विश्वकर्मा जी के मस्तक पर तिलक लगाएं। विश्वकर्मा जी और विष्णु जी को प्रणाम करते हुए उनका स्मरण करें। साथ ही प्रार्थना करें कि वे आपके नौकरी-व्यापार में तरक्की करवाएं। विश्वकर्मा जी के मंत्र का 108 बार जप करें। फिर श्रद्धा से भगवान विष्णु की आरती करने के बाद विश्वकर्मा जी की आरती करें। आरती के बाद उन्हें फल-मिठाई का भोग लगाएं। इस भोग को सभी लोगों में बांटें।

भगवान विश्वकर्मा की पूजा का मंत्र –

ॐ आधार शक्तपे नमः और ॐ कूमयि नमः, ॐ अनन्तम नमः, ॐ पृथिव्यै नमः

विश्वकर्मा पूजा का महत्व –

ऐसी मान्यता है कि विश्वकर्मा जी की पूजा करने वाले व्यक्ति को किसी तरह की कोई कमी नहीं रहती है। भगवान विश्वकर्मा की पूजा से व्यक्ति के व्यापार में वृद्धि होती है और उसकी सभी मनोकामनाएं भी पूर्ण होती है।

इन बातों का रखें ध्यान–

– विश्वकर्मा पूजा करने वाले सभी लोगों को इस दिन अपने कारखाने, फैक्ट्री बंद रखनी चाहिए।

– विश्वकर्मा पूजा के दिन अपनी मशीनों, उपकरणों और औजारों की पूजा करने से घर में बरकत होती है।

– विश्वकर्मा पूजा के दिन औजारों और मशीनों का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए।

– विश्वकर्मा पूजा के दिन तामसिक भोजन (मांस-मदिरा) का सेवन नहीं करना चाहिए।

– अपने रोजगार में वृद्धि के लिए गरीबों और असहाय लोगों को दान-दक्षिणा जरूर दें।

– अपने बिजली उपकरणों और गाड़ी की सफाई भी करें।

भगवान विश्वकर्मा जी की आरती –

हम सब उतारें आरती तुम्हारी हे विश्वकर्मा, हे विश्वकर्मा।
युग-युग से हम हैं तेरे पुजारी, हे विश्वकर्मा...।।
मूढ़ अज्ञानी नादान हम हैं, पूजा विधि से अनजान हम हैं।
भक्ति का चाहते वरदान हम हैं, हे विश्वकर्मा...।।
निर्बल हैं तुझसे बल मांगते, करुणा का प्यास से जल मांगते हैं।
श्रद्धा का प्रभु जी फल मांगते हैं, हे विश्वकर्मा...।।
चरणों से हमको लगाए ही रखना, छाया में अपने छुपाए ही रखना।
धर्म का योगी बनाए ही रखना, हे विश्वकर्मा...।।
सृष्टि में तेरा है राज बाबा, भक्तों की रखना तुम लाज बाबा।
धरना किसी का न मोहताज बाबा, हे विश्वकर्मा...।।
धन, वैभव, सुख-शांति देना, भय, जन-जंजाल से मुक्ति देना।
संकट से लड़ने की शक्ति देना, हे विश्वकर्मा...।।
तुम विश्वपालक, तुम विश्वकर्ता, तुम विश्वव्यापक, तुम कष्टहर्ता।
तुम ज्ञानदानी भण्डार भर्ता, हे विश्वकर्मा...।।

शिल्प के अधिष्ठाता देवता हैं भगवान विश्वकर्मा

उज्जनैपीठाधीश्वर पूज्यपाद जगद्गुरू श्रीश्याम नारायणाचार्य जी महाराज के अनुसार वस्तुतः देव-उपासना परमात्मा के एक रूप-विशेष की ही पूजा है। परम सत्ता के ही विभिन्न गुणों एवं शक्तियों का प्रतिनिधित्व देवगण करते हैं। इस विराट सृष्टि का उत्पादक, पोषक, संहारक एक परमात्मा ही है। उसे ही हम अनेक नामों से पुकारते है।

अध्यात्म शास्त्र में देव-उपासना की विस्तृत चर्चा हुई है। ब्रह्मतत्व का प्रतिपादन करने वाली उपनिष्दों में सक कुछ एक देवताओं के नाम पर भी हैं, उनमें प्रतिपाद्य देवता के गुण, धर्म एवं आराधना के प्रतिफल विस्तार पूर्वक बताये गये हैं। साधक अपनी आवश्यकता और आकांक्षा के अनुरूप तत्सम्बन्धित देवताओं की उपासना मनोयोगपूर्वक करके अपने अभीष्ट की पूर्ति में सफलता प्राप्त कर सकता है। जैसे समस्त प्रजा एक राजा के राज्य में रहती है तो भी उसे अलग-अलग प्रायोजनों के लिए भिन्न-भिन्न विभागों के कर्मचारियों के पास जाना पड़ता है। देव-उपासना का भी तात्पर्य यही है। ईश्वर के विराट स्वरूप के अंग-प्रत्यंगों को उसकी क्रिया-किरणों को 'देवता' नाम से हम पुकारते हैं। श्रीमद्भागवत में कहा गया है, ब्रह्मतेज की इच्छा वाले को बृहस्पति की, इन्द्रिय भोगों के लिए इन्द्र की, संतान-प्राप्ति के लिए प्रजापति की, लक्ष्मी के लिए माया की देवी, तेज के लिए अग्नि की, धन के लिए वसुओं की, पराक्रम के लिये रूद्र की एवं अन्न के लिये अदिति की उपासना करनी चाहिये। स्वर्ग के लिए आदित्यों की, राज्य के लिये विश्वदेवों की, लोक-प्रियता के लिए साध्यगण की, दीघार्यु के लिए अश्विनी कुमारों की, पुष्टि के लिए वसुन्धरा की और प्रतिष्ठा के लिये द्यावा पृथिवी की आराधना करनी चाहिए। सौन्दर्य के लिये गन्धर्वों की, पत्नी की प्राप्ति के लिये उर्वशी अप्सरा की, आधिपत्य की प्राप्ति के लिए ब्रह्मा की, यश के लिए यज्ञ पुरूष की, धन की प्राप्ति के लिए वरूण की, विद्या के लिए शंकर की, दाम्पत्य-प्रेम के लिये गौरी की उपासना करनी चाहिये। इसी प्रकार धमोर्पार्जन के लिए विष्णु भगवान की, वंश परम्परा की रक्षा के लिए पितरों की, बाधाओं से बचने के लिए यक्षों की, बलवान होने के लिए मरूद्गणों की, राज्य के लिए मन्वन्तरों अधिपति देवों की, भोगों के लिए चन्द्रमा की और निष्कामता प्राप्त करने के लिए परमपुरूष नारायण की आराधना करनी चाहिये।

इसी प्रकार ज्ञान विज्ञान औद्योगिकी और शिल्प की प्राप्ति के लिए विश्वकर्मा जी की उपासना करनी चाहिए। वे ही शिल्प के अधिष्ठाता देवता है।

श्रद्धा और विश्वास के साथ शास्त्रेक्त विधि-विधान से यदि हम विश्वकर्मा जी की उपासना करें तो कामनाओं की सिद्धि अवश्य प्राप्त होगी।

विश्वकर्मा जी का वाहन

पुराणों में देवताओं के वाहनों में जो विविध पशु-पक्षियों के नामों का उल्लेख मिलता है, उससे बुद्धिजीवियों के मस्तिष्क में एक प्रश्न उत्पन्न होता है कि क्या वृषभ, महिष, मूषक, हाथी आदि में लोक-लोकान्तरों में अव्याहत आवागमन की क्षमता सम्भव है, तो उतर हैं 'हां'। क्योंकि असुरों से संत्रस्त देवताओं का ब्रह्मलोक में जाने फिर वहां से शिवलोक एवं पुनः ब्रह्मा-शिवसमेत विष्णुलोक में गमन करने का उल्लेख प्राप्त होता है। इससे प्रतीत होता है कि देवताओं के पास आधुनिक विमानों से भी अधिक शक्तिशाली विमान थे, जो वायु तथा मनकी अपेक्षा अधिक वेगशाली और तीव्रगामी होते थे। जिस समय हरिद्वार में सनकादि मुनीश्वर श्रीनारदजी को श्रीमद्भागवत की कथा सुना रहे थे, उस समय देवताओं ने विमानों पर बैठकर पारिजात,चन्दन और कल्पवृक्षों के पुष्पों की वृष्टि की।

विमानानि समारूह्य कियन्तो देवनायकाः।
कल्पवृक्षप्रसनेरस्तान् सर्वास्तत्र समाकिरन्।।

मैरू-गिरि के स्कन्द-सरोवर के तट पर नैमिषीय संत जिस समर्थ श्रीसनत्कुमार से मिले तथा पाशच्छेनाथे प्रार्थना की, उसी समय सूर्य की भांति प्रकाशमान एक सुन्दर विमान प्रकाश में दृश्य था। इसी प्रकार विश्वकर्मा जी का भी अपना वाहन था जो हंस की आकृति का था। इसी लिए ये हंस वाहन है। वैसे भी हंस अत्यन्त विवेकशील, न्याय प्रिय एवं बुद्धिमानऔर तर्कशील है।

ब्रह्मा, विष्णु महेश और विश्वकर्मा जी में अंतर नहीं है

सृष्टि, स्थिति, संहाररूप में कार्य करने से विश्वकर्मा जी ब्रह्मा, विष्णु और शिव रूप से स्थित हैं। वस्तुतः एक ही परमेश्वर इस विश्व विविध में गुणों से सम्पन्न होकर आविर्भात-तिरोभाव, उत्कर्षापकर्ष करके लीलाएं करता हुआ विभिन्न नाम-रूपों से पुकारा जाता है। किंतु इससे उसके मूलस्वरूप या पूर्वस्थिति में कोई अंतर नहीं होता।

ब्रह्मा, विष्णु और शिव के एकत्व-विषयक रहस्य को सुस्पष्ट करते हुए श्रीमद्भागवत पुराण में भगवान ने स्वयं कहा है-

अहं ब्रह्मा च शर्वश्य जगतः करणं परम्।
आत्मेश्वर उपद्रष्टा स्वंयदृगविशेषणः।।
आत्मायां समाविश्य सोहं गुणमर्यी द्विज।
सजन रक्ष्न हरन विश्वं देधे संज्ञां क्रियोचिताम्।।
तस्मिन् ब्रह्मण्यद्वितीये केवले परमात्मनि।
ब्रह्मारूदौ च भूतानि भेदनाज्ञोनुपश्यति।।
यथा पुमान्न स्वांगेणु शिरः पाण्यादिषु कचित।
पारक्य कुरूते एवं भूतेषु मत्परः।।
त्रयाणामेकभावनां यो न पश्यति वै भिदावम।
सर्वभूताम्मनां ब्रह्मन् स शान्तिमधिगच्छति।।

मैं ही जगत का प्रथम एवं परम कारण तथा ब्रह्मा और महादेव हूं। मैं सबकी आत्मा, ईश्वर, साक्षी, स्वयंप्रकाश एवं उपाधिशून्य हूं। अपनी त्रिगुणाम्मिका माया को स्वीकार करके मैं ही जगत की रचना, पालन और संहार करता रहता हूं और मैंने ही उन कर्मों के अनुरूप ब्रह्मा, विष्णु तथा शंकर-ये नाम धारण किये हैं। ऐसा जो भेदरहित, परब्रह्म स्वरूप मैं हूं, उसी में अज्ञानी पुरूष ब्रह्मा, रूद्र तथा अन्य समस्त जीवों को विभिन्न रूप से देखता है। जिस प्रकार मनुष्य अपने सिर, हाथ आदि अंगों में ये मुझसे भिन्न है, उसी प्रकार मेरा भक्त प्राणिमात्र को मुझ से भिन्न कभी नहीं देखता। हम ब्रह्मा, विष्णु और महेश्वर-तीनों स्वरूपताः- एक ही हैं और हम ही सम्पूर्ण जीवरूप हैं, अतः जो हममें भेद नहीं देखता, वहीं शांति प्राप्त करता हैं।

त्रिदेव तत्वतः एक हैं, इनमें से एक ही उपासना करने से सच्चे भक्त के मन में स्वतः ही दूसरे के प्रति श्रद्धा भावना जाग्रत हो उठती है। समन्वयात्मक देव-पूजा व देव-दर्शन का यही स्वरूप भुक्ति और मुक्ति के संदर्भ में चरण साध्य है। कहा भी है कि 'विष्णुश्च विश्वकर्माश्च न भिदयते क्वचित' अर्थात विश्वकर्मा और विष्णु में कोई अन्तर नहीं हैं।

विश्वकर्मा शब्द के विभिन्न अर्थ

हमारे शास्त्रों और धर्म ग्रन्थों में विश्वकर्मा शब्द का प्रचुर मात्रा में प्रयोग हुआ है। अतः शब्द के विभिन्न अर्थ हैं। हम यह नहीं कह सकते कि इस शब्द का प्रयोग किसी व्यक्ति या देवता विशेष के लिए ही किया गया है। कई बार तो भ्रम पैदा होने लगता है। मुख्य रूप से जिन अर्थों में इस शब्द का प्रयोग किया गया है वे इस प्रकार हैं।

1. साधारण अर्थ – विश्वकर्मा शब्द का साधारण अर्थ है जगत का स्वामी, कर्त्ता, रचयिता, ज्ञान विज्ञान का अधिष्ठाता देवता परमेश्वर भगवान आदि।

2. विश्वकर्मा शब्द का व्यापक अर्थ – वेदों में, पुराणों और धर्म ग्रन्थों में आगे चल कर इस शब्द के और व्यापक अर्थ हो जाते है। अर्थात समस्त चरा चर कर स्वामी साक्षात ब्रह्मा, विष्णु, महेश, का रूप, सृष्टि का रचयिता, पालन कर्ता एवं संहार कर्ता सम्पूर्ण गूढ तत्व का ज्ञाता समस्त ब्रह्माण्ड का एक मात्र स्वामी, समस्त वेदों का एक मात्र गूढ़ तत्व सबको वर देने वाला, समस्त पापा और पीड़ाओं का नाश कर्ता, सर्वगुण सम्पन्न, सर्वशक्ति मान, प्रकाश पुंज आदि।

3. सगुण रूप में विश्वकर्मा – शास्त्रों एवं धर्म ग्रन्थों में विश्वकर्मा जी को ब्रह्मा, विष्णु और महेश भी माना है। ज्ञान, विज्ञान के अधिष्ठाता देवता के रूप में भी उनकी आराधना अर्चना होती है, इस प्रकार वे अन्य देवी देवताओं की कोटि में सहज ही आ जाते हैं। हम कह सकते है कि विश्वकर्मा शब्द का अर्थ एक विशेष देवता के रूप में भी किया गया है।

4. देव शिल्पी के रूप में विश्वकर्मा शब्द का प्रयोग– जब कभी भी किसी देवता भगवान या दैवी शक्ति को सुन्दर भवन, नगरी पुरी मन्दिर या ऐश्वर्य के साधनों की आवश्यकता महसूस हुई तो भगवान विश्वकर्मा को याद किया और अभीष्ठ वस्तु तुरन्त उपलब्ध हो गई। भगवान कृष्ण के लिए जगन्नाथ पुरी, रावण के लिए लंका, श्री राम के लिए सेतु या जब भी किसी देवी देवता को अस्त्र, शस्त्र या आयुध की अवश्यकता पड़ी तो याद किया और कृपालु विश्वकर्मा जी ने उसकी तुरन्त रचना कर दी। अतः इन परिस्थितियों में विश्वकर्मा जी की पहचान देव शिल्पी या देव शिल्पाचार्य के रूप में ही बनी।

5. उपाधि या सम्मान सूचक शब्द के अर्थ में– विश्वकर्मा शब्द का प्रयोग विश्वकर्मा कुल में उत्पन्न मनीषियों मुनियों तथा देव शिल्पाचार्यों के लिए भी किया गया है। जैसे त्वष्टा विश्वकर्मा, भुवन, विश्वकर्मा, मनु विश्वकर्मा आदि। आज भी पुरस्कृत करते समय 'विश्वकर्मा' की उपाधि से कई मनीषी व्यक्तियों को अंलकृत किया जाता है।

6. विभिन्न काल में विश्वकर्मा जी के अवतारों के लिए अलग-अलग समय में भगवान विश्वकर्मा जी के भिन्न-भिन्न अवतार हुए। उनको भी विश्वकर्मा के नाम से ही सम्बोधित किया गया है। अतः समय और सन्दर्भ के अनुसार विश्वकर्मा शब्द का विभिन्न अर्थों में प्रयोग किया गया है। केवल विश्वकर्मा शब्द से किसी देवता या व्यक्ति या अवतार विशेष का बोध नहीं होता। वैसे भी विश्वकर्मा शब्द का प्रयोग ब्रह्मा, विष्णु, महेश के लिए प्राय शास्त्रों में किया गया है।

7. विश्वकर्मा शब्द की शास्त्रीय समीक्षा– निरूक्त दैवत काण्ड में विश्वकर्मा को 'सर्वस्य कर्ता' वेद में विद्या और गुणों को धारण करने वाला, तैतरीय ब्राह्मण में विश्वकर्मा को प्रजापति, ऋग्वेद में भी विश्वकर्मा भवेत प्रजापति कहा गया है। अमरकोश में वृहस्पति को विश्वकर्मा कहा गया है, यजुर्वेद में चतुभुर्ज ब्रह्मदेव के लिए विश्वकर्मा शब्द का प्रयोग किया गया है। अतः इस विवेचन से एक बात तो पूर्ण रूप से स्पष्ट है कि विश्वकर्मा शब्द अत्यन्त व्यापक है इसे सीमित करना कठिन है।

8. विश्वकर्मा शब्द के पर्यायवाची शब्द – कुछ ऐसे बहुत से शब्द हैं जो विश्वकर्मा शब्द के पर्यायवाची हैं या जिनका पर्यायवाची विश्वकर्मा शब्द है। जैसे त्वष्टा, मनु, ब्रह्मा, विष्णु, महेश, आर्क, सूर्यद्ध वृहस्पति, जगतगुरू आचार्य, शिल्पी शिल्पाचार्य, देवशिल्पाचार्य, भुवन, भौन, वसु पुत्र आदि ऐसे शब्द है जिनसे विश्वकर्मा शब्द का सहज ही बोध हो जाता है।

9. पूर्ण शिल्पी का वाची विश्वकर्मा – 'विश्वकर्मा सर्वस्य कर्ता' निरूक्त दैवतकाण्ड अध्याय -10 खण्ड 26, अर्थात इस संसार में जितने भी शिल्पीय पदार्थ उत्पन्न हुए हैं उन सबका कर्ता विश्वकर्मा है। यहां विश्वकर्मा शब्द का प्रयोग बहुत व्यापक अर्थ में हुआ है। किसी एक व्यक्ति विशेष का नाम विश्वकर्मा नहीं है।

10. वेदवाणी से युक्त सिद्ध पुरूष का नाम विश्वकर्मा है। यजुर्वेद में कहा है 'सा विश्वायुः सा विश्वकर्मा सा विश्वधाया' अर्थात हे परमेश्वर आप जिस वाणी को धारण करते हैं वह पूर्ण आयु देने वाली है जगत की सब विद्या और गुणों को धारण करने वाली है। वेद वाणी से युक्त सम्पूर्ण क्रिया काण्ड से युक्त सिद्ध पुरूष का नाम विश्वकर्मा है।

11. निष्कर्ष – उपरोक्त समीक्षा से भ्रम या संशय की कोई गुंजाईश नहीं रह गई है। अतः जब हम विश्वकर्मा शब्द का उल्लेख करते है तो हमें यह बात स्पष्ट कर देनी चाहिए कि हम किसी और कौन से युग के विश्वकर्मा की बात कर रहे हैं। कही ऐसा तो नहीं कि हम कथा तो वसु पुत्र विश्वकर्मा की कर रहे है और बात हम त्वष्टा विश्वकर्मा की कर रहे है।

मजबूत जोड़ हमारे रिश्तों का...

Welcomes You

यूरो परिवार की ओर से हार्दिक शुभकामनाएं

EURO®
7000
SYNTHETIC WOOD ADHESIVE

रामगढ़िया बोर्ड की ओर से तालकोटरा स्टेडियम में 7 वां कन्वेंशन

नई दिल्ली। राष्ट्रीय ओबीसी महासंघ व रामगढ़िया बोर्ड दिल्ली की ओर से 7 अगस्त 2022 को तालकटोरा स्टेडियम दिल्ली में सातवां राष्ट्रीय कन्वेंशन आयोजित किया गया। जिसमें महाराष्ट्र, बिहार, उत्तर प्रदेश, पंजाब, तेलंगाना, दिल्ली सहित अन्य राज्यों के लोग शामिल हुए। इस अवसर पर सभी गणमान्य व्यक्तियों ने अपने अपने विचार रखे। इस समारोह में रामगढ़िया बोर्ड दिल्ली के सदस्य बड़ी संख्या में शामिल हुए। जितेंदर पाल सिंह गागी ने राष्ट्रीय कन्वेंशन को संबोधित करते हुए कहा हमारी

जनसंख्या अधिक होने के बावजूद सरकारों में हमारी हक नहीं मिल रही है। सरकार को जातीय आधार पर जनगणना करानी चाहिए, जिससे जनसंख्या के आधार पर हमें न्याय मिल सके। इस अवसर पर इंद्रजीत सिंह ने कहा कि हक मांगने से नहीं बल्कि छिनने से मिलता है। जब तक हम एक होकर अपना स्वार्थ छोड़कर नहीं चलेंगे तब तक कुछ नहीं होगा। इसलिए हम आज ही प्राण करें कि एक दूजे का साथ देंगे। मैं वादा करता हूं सरकारें आपके सामने खड़ी नजर आयेंगी।

शाहजी बालकृष्णन 'विदर्भ आयडॉल' पुरस्कार से सम्मानित

नागपुर। नारियल के छिलके से विभिन्न प्रकार के आभूषण और किचन

उपयोगी सामग्री बनाने के साथ लकड़ी के टुकड़ों से साज सज्जा की वस्तु बनाने वाले इंजिनियर शाहजी बालकृष्णन आचार्य को वास्तु व कला क्षेत्र में विशिष्ट योगदान के लिए 'विदर्भ आयडॉल' पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। महाराष्ट्र राज्य के सांस्कृतिक व वन मंत्री सुधीर मुनगंटीवार ने उन्हें सम्मानित किया। शाहजी बालकृष्णन आचार्य महाराष्ट्र के कई गांवों में बेरोजगार युवक युवतियों के साथ दिव्यांगों को इस कार्य का प्रशिक्षण दे रहे हैं।

कारपेंटर की करंट से मौत, 24 लाख का मुआवजा

बारामुला। जम्मू-कश्मीर और लद्दाख हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में विद्युत लाइन के करंट से मारे गए कारपेंटर के परिवार को 24.30 लाख रुपये का मुआवजा देने का आदेश दिया है। साथ ही याचिका दायर करने के वर्ष 2014 से मुआवजा राशि पर छह फीसदी ब्याज भी देना होगा। बारामुला के उड़ी में यह हादसा वर्ष 2013 में 11 हजार केवी लाइन गिरने से हुआ था। सरकार ने दलील दी थी कि हादसा मरने वाले व्यक्ति की लापरवाही से हुआ था। इस पर कोर्ट ने कहा कि हादसे रोकना सरकार की जिम्मेदारी है। निर्देश दिया कि भविष्य में ऐसी घटनाएं रोकने के लिए सरकार कुछ हटकर सोचे और समाधान सुनिश्चित करे।

न्यायाधीश मोक्षा खजूरिया काजमी ने कहा कि यह कहना कि हादसा चपेट में आने वाले की लापरवाही से हुआ है, सरकार को जवाबदेही से मुक्त नहीं कर सकता। कारपेंटर नजीर अहमद खान 24 जुलाई 2013 को ट्रांसफार्मर से जुड़ी 11 हजार केवी लाइन के करंट से मारा गया था। कोर्ट ने कहा कि बिजली तार का रखरखाव और इससे जन सुरक्षा का जिम्मा सरकार का है। सरकार को ही देखना है कि बिजली का तार टूटता है तो उसमें करंट न दौड़ता रहे ताकि कोई इस तार से उलझता भी है तो हादसे से बचा जाए। कोर्ट ने कहा कि पेशे से कारपेंटर 40 वर्षीय नजीर अहमद खान की रोजाना आय 500 रुपये थी। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के अनुसार इस आय में 30 फीसदी वृद्धि को जोड़कर प्रति माह 19500 रुपये आय हुई। इसमें एक तिहाई को निजी खर्च को हटाकर आश्रितों को सालाना 1,56,000 रुपये का नुकसान हुआ। मृतक की आयु को देखते हुए सालाना आय को 15 से गुना किया गया है। इसके अलावा आश्रितों के अन्य खर्चों को मिलाकर कुल मुआवजा राशि 24.30 लाख रुपये निर्धारित की गई है, जिस पर याचिका दायर करने के वर्ष 2014 से छह फीसदी ब्याज भी देना होगा।

शिल्पकला के अधिष्ठाता : भगवान विश्वकर्मा

श्री विश्वकर्मा महापूजा हर साल कन्या संक्रांति 17 सितंबर को पूरे देश में भक्तिभाव के साथ मनाई जाती है। हिंदू मान्यताओं के अनुसार ब्रह्मांड का निर्माण करने वाले भगवान विश्वकर्मा को दुनिया का पहला वास्तुकार माना जाता है। शिल्प विज्ञान प्रवर्तक अथर्ववेद के रचयिता कहे जाते हैं। अथर्ववेद में शिल्पकला विज्ञान के अनेकों आविष्कारों का उल्लेख है। पुराणों ने भी इसको विश्वकर्मा रचित ग्रंथ माना है जिसके द्वारा अनेकों विद्याओं की उत्पत्ति हुई। मानव जीवन की यात्रा का लंबा इतिहास है और इसका बहुत लंबा संघर्ष भी है। भगवान विश्वकर्मा ने उसे सबसे पहले शिक्षित और प्रशिक्षित किया ताकि उसे विभिन्न शिल्पों में प्रशिक्षित किया जा सके। इस तरह मानव की संस्कृति और सभ्यता का प्रथम प्रवर्तक भगवान विश्वकर्मा जी हुए जिसे वेदों ने स्वीकार किया है और उनकी स्तुति की है। इस प्रकार विभिन्न कलाओं का विकास हुआ।

चार युगों में विश्वकर्मा ने कई नगर और भवनों का निर्माण किया। कालक्रम में देखें तो सबसे पहले सत्ययुग में उन्होंने स्वर्गलोक का निर्माण किया, त्रेता युग में लंका का, द्वापर में द्वारका का और कलियुग के आरंभ के 50 वर्ष पूर्व हस्तिनापुर और इन्द्रप्रस्थ का निर्माण किया। विश्वकर्मा ने ही जगन्नाथ पुरी के जगन्नाथ मन्दिर में स्थित विशाल मूर्तियों (कृष्ण, सुभद्रा और बलराम) का निर्माण किया। सृष्टि के आदिकाल के प्राकृतिक अवस्था से आधुनिक अवस्था में मनुष्य को जिस शिल्पकला विज्ञान ने सहारा दिया उस शिल्पकला विज्ञान के अधिष्ठाता व आविष्कारक भगवान विश्वकर्मा थे। भगवान विश्वकर्मा ने मानव जाति को शासन-प्रशासन में प्रशिक्षित किया। उन्होंने अनेक प्रकार के अस्त्र-शस्त्रों का आविष्कार और निर्माण किया, जिससे मानव जाति सुरक्षित रह सके। उन्होंने अपनी विमान निर्माण विद्या से अनेक प्रकार के विमानों के निर्माण किए जिन पर देवतागण तीनों लोकों में भ्रमण करते थे। उन्होंने स्थापत्य कला से शिवलोक, विष्णुलोक, इंद्रलोक आदि अनेक लोकों का निर्माण किया। भगवान विष्णु का सुदर्शन चक्र, इंद्र के वज्र और महादेव के त्रिशूल का भी उन्होंने निर्माण किया जो अमोघ अस्त्र माने जाते हैं।

धर्म ग्रंथों में कहा जाता है कि भगवान विश्वकर्मा के पांच पुत्र हुए। उन्होंने अपने पांचों पुत्रों को विभिन्न शिल्पों में दक्ष बनाया। प्रथम पुत्र मनु लौह कला में प्रवीण हुआ, दूसरा पुत्र मय काष्ठ कला का ज्ञाता बना, तीसरे पुत्र त्वष्ठा ने ताम्र कला में विशेषता प्राप्त की, चौथा पुत्र शिल्पी पाषाण कला का मर्मज्ञ हुआ और पांचवां पुत्र दैवज्ञ स्वर्ण कला का ज्ञाता बना। उनके पांचों पुत्रों ने विश्वकर्मा के शिल्पकला विज्ञान का विकास और विस्तार किया, जिसके फलस्वरूप मानव जाति को सुख-सुविधा के लिए अनेक साधन-प्रसाधन प्राप्त हुए। ऋग्वेद मे विश्वकर्मा सुक्त के नाम से 11 ऋचाएं लिखी हुई है। जिनके प्रत्येक मंत्र पर लिखा है ऋषि विश्वकर्मा भौवन देवता आदि। यही सूक्त यजुर्वेद अध्याय 17, सूक्त मंत्र 16 से 31 तक 16 मंत्रों में आया है ऋग्वेद में विश्वकर्मा शब्द का एक बार इन्द्र व सूर्य का विशेषण बनकर भी प्रयुक्त हुआ है। महर्षि अंगिरा के ज्येष्ठ पुत्र बृहस्पति की बहन भुवना जो ब्रह्मविद्या जानने वाली थी वह अष्टम् वसु महर्षि प्रभास की पत्नी बनी और उससे संपूर्ण शिल्प विद्या के ज्ञाता प्रजापति विश्वकर्मा का जन्म हुआ। पुराणों में कहीं योगसिद्धा, वरस्त्री नाम भी बृहस्पति की बहन का लिखा है। शिल्प शास्त्र का कर्ता वह ईश विश्वकर्मा देवताओं का आचार्य है, संपूर्ण सिद्धियों का जनक है, वह प्रभास ऋषि का पुत्र है और महर्षि अंगिरा के ज्येष्ठ पुत्र का भानजा है। अर्थात अंगिरा का दौहित्र है। अंगिरा कुल से विश्वकर्मा का संबंध तो सभी विद्वान स्वीकार करते हैं।

भगवान विश्वकर्मा के कई रूप बताए जाते हैं - दो बाहु वाले, चार बाहु व दस बाहु वाले तथा एक मुख, चार मुख व पंचमुख वाले। भगवान विश्वकर्मा की महत्ता स्थापित करने वाली एक कथा है। इसके अनुसार वाराणसी में धार्मिक व्यवहार से चलने वाला एक रथकार अपनी पत्नी के साथ रहता था। अपने कार्य में निपुण था, परंतु विभिन्न जगहों पर घूम-घूम कर प्रयत्न करने पर भी भोजन से अधिक धन नहीं प्राप्त कर पाता था। पति की तरह पत्नी भी पुत्र न होने के कारण चिंतित रहती थी। पुत्र प्राप्ति के लिए वे साधु-संतों के यहां जाते थे, लेकिन यह इच्छा उसकी पूरी न हो सकी। तब एक पड़ोसी ब्राह्मण ने रथकार की पत्नी से कहा कि तुम भगवान विश्वकर्मा की शरण में जाओ, तुम्हारी इच्छा पूरी होगी और अमावस्या तिथि को व्रत कर भगवान विश्वकर्मा महात्म्य को सुनो। इसके बाद रथकार व उसकी पत्नी ने अमावस्या को भगवान विश्वकर्मा की पूजा की, जिससे उसे धन-धान्य और पुत्र रत्न की प्राप्ति हुई और वे सुखी जीवन व्यतीत करने लगे।

देश में शायद ही ऐसी कोई फैक्टरी, कारखाना, कंपनी या कार्यस्थल हो जहां 17 सितंबर को विश्वकर्मा की पूजा नहीं की जाती हो। इस दिन सभी कार्यस्थलों पर भगवान विश्वकर्मा की तस्वीर या मूर्ति की पूजा होती है। भगवान विश्वकर्मा के मंदिर व कारखानों को फूलों से सजाया जाता है। लोग अपने संस्थान, कारखाने व यंत्रों को एक स्थान पर रखकर भगवान विश्वकर्मा की पूजा करते हैं। कारपेंटर ,वेल्डर, मेकेनिक आदि लोग विश्वकर्मा महापूजा पर भगवान विश्वकर्मा की पूजा करते हैं जिससे उनका काम पूरे साल सुचारू रूप से चलता रहे। श्री विश्वकर्मा महापूजा देश के लगभग राज्यों में मनाया जाता है परन्तु उत्तर भारत में 17 सितंबर को विश्वकर्मा पूजा का काफी महत्व है। कुछ क्षेत्रों में दीपावली के बाद गोवर्धन पूजा के दिन भी विश्वकर्मा पूजा मनाने का चलन है।

E3 PVC EDGE BAND TAPE

कारपेंटर भाइयों की पहली पसंद

भारत में निर्मित
रहे हमेशा नई जैसी
लगाने में आसान, कभी न उतरे
बचाए आपके फर्नीचर को पानी और दीमक से

1st INDIAN MANUFACTURER IN WORLD CLASS QUALITY

+91 70251 70251 | info@e3panels.com | www.e3panels.com

DEALERS ENQUIRY SOLICITED FOR PAN INDIA

E3
elegant | everlasting | economical

मुंबई में होगी विश्वकर्मा महापूजा की धूम

मुंबई। विश्वसृष्टा भगवान विश्वकर्मा जी के महापूजा का आयोजन देश भर में विभिन्न सामाजिक संस्थाओं की ओर से 17 सितंबर, दिन शनिवार को किया गया है।

विश्वकर्मा समिति मुंबई संस्था की ओर से सांताक्रुज (पूर्व) कालीना स्थित संस्था के प्रांगण में निर्मित श्री विश्वकर्मा मंदिर में श्री विश्वकर्मा महापूजा का आयोजन किया गया है। महापूजा सुबह 11 बजे शुरू होगा व दोपहर 3 बजे हवन होने के बाद प्रसाद वितरण किया जायेगा। स्वागत समारोह व सांस्कृतिक कार्यक्रम सायं 6 बजे से रात 10 बजे तक आयोजित की गई है। विश्वकर्मा समाज की प्रसिद्ध गायिका पूनम विश्वकर्मा इस अवसर पर भजन व समसामयिक गीत प्रस्तुत करेंगी। इस अवसर पर भगवान विश्वकर्मा की झांकियां भी निकाली जाएंगी। विश्वकर्मा समिति संस्था में करीब डेढ़ दशक के आपसी विवाद खत्म होने के बाद सभी मिलजुलकर इस महोत्सव में भाग लेंगे। विश्वकर्मा समिति मुंबई टास्क टीम के सदस्य राजेंद्र विश्वकर्मा, सुनील राना व अधिवक्ता जे. पी. शर्मा ने विश्वकर्मा समाज से आह्वान किया है कि श्री विश्वकर्मा महापूजा में बड़ी संख्या में भाग लेकर सामाजिक एकता को मजबूत बनाएं।

कांदिवली (पूर्व) हनुमान नगर स्थित वडारपाड़ा रोड नंबर 1 स्थित श्री विश्वकर्मा मंदिर में **श्री विश्वकर्मा समिति, श्री विश्वकर्मा वेलफेयर ट्रस्ट** की ओर से भव्य स्तर पर श्री विश्वकर्मा महापूजा महोत्सव का आयोजन किया गया है। संस्था के अध्यक्ष लालजी विश्वकर्मा ने बताया कि सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक पूजा व हवन तत्पश्चात रात 10 बजे तक धार्मिक, सामाजिक गोष्ठी व भजन गीतों की प्रस्तुति होगी। यहां पर सांस्कृतिक कार्यक्रम अंतर्गत कुमार सपन एंड पार्टी समसामयिक भजन गीत प्रस्तुत करेंगे।

नवजीवन श्री विश्वकर्मा सेवा समिति की ओर से सांताक्रुज (पूर्व) स्थित डिमेलो कम्पाउंड, वाकोला में नवजीवन रहिवासी संघ के समाज मंदिर हाल में श्री विश्वकर्मा महापूजा का आयोजन किया गया है। संस्था के महामंत्री शोभनाथ विश्वकर्मा ने बताया कि भगवान विश्वकर्मा पूजन के बाद सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया है जिसमें सागर म्यूजिकल ग्रुप गीत प्रस्तुत करेंगे। **श्री विश्वकर्मा विकास समिति,** गोरेगांव संस्था की ओर से बांगुर नगर स्थित नवजीवन संस्कार धाम में श्री विश्वकर्मा पूजा महोत्सव का आयोजन किया गया है। संस्था के अध्यक्ष जवाहरलाल विश्वकर्मा ने बताया कि सुबह 11 बजे दोपहर 1 बजे तक पूजा हवन के बाद महाप्रसाद व सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजित की गई है। इस अवसर पर निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का भी आयोजन किया गया है। **श्री विश्वकर्मा फाउंडेशन संस्था** की ओर से श्री विश्वकर्मा भगवान पूजा महोत्सव का आयोजन मीरा रोड (पूर्व) साईबाबा नगर, सेंट थॉमस चर्च हॉल में आयोजित की गई है। संस्था अध्यक्ष राकेश विश्वकर्मा ने बताया कि दोपहर दो बजे भगवान श्री विश्वकर्मा जी की कथा, दो बजे से रात आठ बजे तक मेडिकल कैंप, 6 बजे से सांस्कृतिक कार्यक्रम व रात 8 बजे से महाप्रसाद वितरित की जाएगी।

श्री विश्वकर्मा सेवा संस्था, पालघर की ओर से श्री विश्वकर्मा महापूजा का आयोजन नायगांव (पूर्व) स्थित परेरा नगर में श्री विश्वकर्मा मंदिर में आयोजित की गई है। 16 सितंबर को सायं 6 बजे मूर्ति आगमन के साथ सुंदरकांड व 17 सितंबर को सुबह 10. 30 मूर्ति स्थापना,पूजा हवन के बाद सायं 6 बजे सांस्कृतिक कार्यक्रम पश्चात महाप्रसाद वितरित की जाएगी।

श्री विश्वकर्मा चैरिटेबल संस्था, वसई की ओर से भगवान श्री विश्वकर्मा महापूजा का आयोजन वसई (पश्चिम) स्थित अंबाडी रोड स्थित स्वामी नारायण मंदिर हाल में आयोजित की गई है। इस अवसर पर आचार्य कृष्णाचार्य महाराज के मुखारविंद से श्री विश्वकर्मा कथा सुनाई जाएगी। **श्री विश्वकर्मा विकास सेवा समिति,** काशीमीरा संस्था की ओर से सार्वजनिक श्री विश्वकर्मा महापूजा महोत्सव का आयोजन मीरा रोड (पूर्व) स्थित सेंट जेवियर्स स्कूल के पास श्री विश्वकर्मा मंदिर में आयोजित की गई है। सुबह 10 बजे पूजा हवन के बाद अपराह्न 3 बजे से सामाजिक गोष्ठी व संगीत संध्या का आयोजन किया गया है। **श्री विश्वकर्मा पांचाल समाज एसोसिएशन** ठाणे की ओर से भीम नगर, हिंगलाज माता मंदिर हाल, वर्तक नगर में श्री विश्वकर्मा पूजन का आयोजन किया गया है। सुबह 8 बजे से पूजा हवन के बाद दोपहर 1 बजे से महाप्रसाद तत्पश्चात् रात 9 बजे तक सांस्कृतिक कार्यक्रम व सत्कार समारोह का आयोजन किया गया। **श्री विश्वकर्मा सेवा ट्रस्ट संस्था,** ठाणे की ओर से सार्वजनिक श्री विश्वकर्मा महापूजा का आयोजन ठाणे (पश्चिम) ब्रह्मांड, आजाद नगर में आयोजित की गई है। सुबह 8 बजे से दोपहर 12 बजे तक पूजा हवन के बाद महाप्रसाद तत्पश्चात् बिरहा गायक कलाकार चन्दन शर्मा (गाजीपुर) व सरोज यादव (वाराणसी) का जोरदार मुकाबला होगा।

श्री विश्वकर्मा सेवा मंडल, भायंदर की ओर से रावल नगर में शांति निवास, केबिन रोड के पास सार्वजनिक श्री विश्वकर्मा महापूजा आयोजित की गयी है। पूजा हवन सुबह 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक, प्रसाद वितरण दोपहर 12 से 1 बजे तक व प्रीति भोजन दोपहर 1 से 3 बजे तक आयोजित की गई है।

साकीनाका खैरानी रोड स्थित दुर्गा माता मंदिर परिसर में श्री विश्वकर्मा भगवान मंदिर में विश्वकर्मा महापूजा का आयोजन किया गया है। **भारतीय श्री विश्वकर्मा कल्याण समाज संस्था,** अंधेरी (पूर्व) की ओर से निकलावाड़ी स्थित श्री विश्वकर्मा मंदिर में श्री विश्वकर्मा महापूजा का आयोजन किया गया है। **श्री विश्वकर्मा कल्याण मंडल,** हलाव पुल मसरानी, कुर्ला में संस्था के परिसर में श्री विश्वकर्मा पूजनोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। **राष्ट्रीय विश्वकर्मा महासंघ** की ओर से कांदिवली (पश्चिम) संजय नगर में श्री विश्वकर्मा महापूजा का आयोजन किया गया है। **विश्वकर्मा सेवा समाज** भांडुप की ओर से भी महापूजनोत्सव का आयोजन किया गया है।

स्वास्थ्य

ग्वार फली : सेहत के लिए फायदेमंद

ग्वार फली सब्जी स्वाद में भले ही लाजवाब ना हो लेकिन अगर इसके गुणों की बात करें तो यह हमारी सेहत के लिए बहुत ही फायदेमंद होती है। इसे क्लस्टर बीन्स के नाम से भी जाना जाता है जिसमें पोषक तत्वों की भरमार होती है। इसके रेग्युलर सेवन से बढ़ते वजन को कम किया जा सकता है और हार्ट संबंधी परेशानियों को भी दूर किया जा सकता है। इसके सेवन से पेट की समस्या भी ठीक रहती है और दिमाग के विकास में भी यह बहुत सहायक है।

लेगुमिनोसे परिवार से संबंधित इस फली का वैज्ञानिक नाम सिआमोप्सिस टेट्रागोनोलोबा है जिसका प्रयोग सब्जी बनाने के अलावा औषधी बनाने और स्वास्थ्य लाभ के लिए भी किया जाता है। इसमें मौजूद पोषक तत्व मधुमेह, कोलेस्ट्रॉल व हृदय की बीमारी जैसी कई समस्याओं से बचाने या फिर उनके लक्षणों को कम करने में भी मदद करते हैं।

ग्वार फली में अन्य सब्जी के मुकाबले अधिक मात्रा में फाइबर होता है जो वजन को कंट्रोल में रखने में मदद करता है। इसके लिए कई लोग सब्जी के साथ-साथ इसे सलाद के रूप में भी इस्तेमाल करते हैं। कब्ज की समस्या में ग्वार फली की सब्जी को अपने डाइट में शामिल करना चाहिए। इसमें मौजूद फाइबर कब्ज जैसी समस्या को कम करने में सहायक है। इसके नियमित सेवन से पाचन संबंधी समस्या भी आसानी से दूर होती है। ग्वार फली में मौजूद फॉस्फोरस और कैल्शियम हड्डियों को मजबूत बनाते हैं और उन्हें हेल्दी भी रखते हैं। जिन लोगों को भूख नहीं लगती उन्हें नियमित रूप से ग्वार की फली का सेवन करना चाहिए। ग्वार की फली भूख बढ़ाती है और पाचन शक्ति सुधारती है। ग्वार की फली में मौजूद फाइबर मल प्रवृत्ति को बेहतर बनाकर शरीर से विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने में मदद करता है।

जायका इंडिया का

अलसी की कचौड़ी

अलसी के बीजों के इस्तेमाल से अपने खाने में कई अन्य पोषक तत्वों को जोड़ सकते हैं। अलसी के लगभग एक चम्मच बीज का सेवन करने से शरीर को 37 कैलोरी मिलती है जिसमें कि फाइबर, प्रोटीन, कॉपर और जिंक जैसे जरूरी न्यूट्रिएंट्स भी होते हैं। अलसी में एंटी-ऑक्सीडेंट्स और फाइटोकैमिकल्स गुण पाए जाते हैं, जो बढ़ती उम्र में चेहरे की त्वचा को जवां बनाए रखते हैं। झुर्रियों की समस्या नहीं होती और त्वचा चमकदार बनी रहती है। साबुत अलसी के बीज खाने की बजाए अलसी के बीज को पीसकर खाना ज्यादा फायदेमंद होता है। क्योंकि साबुत अलसी के बीज में ऊपर भूरे रंग का एक कवर जैसा होता है, जिसे पचाना आंत के लिए काफी मुश्किल होता है। अलसी की कचौड़ी की रेसिपी प्रस्तुत है।

सामग्री – 250 ग्राम गेहूं का आटा, 2 बड़े चम्मच अलसी भुनी व पिसी हुई, 1 चौथाई चम्मच काली मिर्च पाउडर, 1 चौथाई चम्मच गरम मसाला पाउडर, 1 चौथाई चम्मच चाट मसाला, 1 चौथाई चम्मच लाल मिर्च पाउडर, 1 चम्मच अदरक-लहसुन का पेस्ट, नमक स्वादानुसार, तलने के लिए तेल

विधि – आटे में नमक डालकर थोड़ा कडक आटा गूंध लीजिए। एक कटोरे में अलसी पाउडर लीजिए एवं उसमें नमक, मिर्च समेत सभी मसाले डालकर अच्छे से मिला लें। भरावन की सामग्री तैयार है। आटे की लोई बनाकर छोटी-छोटी पूड़ी की तरह बेल लीजिए तथा उसमें भरावन की सामग्री भरकर बंद करके हल्के हाथ से दबाकर बेल लीजिए। कड़ाही में तेल गरम कर सभी कचौड़ी मध्यम आंच में तल लीजिए। इन्हें दही या सॉस के साथ गरमा गरम सर्व करें।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक-गंगाराम श्रीराम विश्वकर्मा द्वारा 306, दिघे नगर को आप हाउसिंग सोसायटी, फितवाला रोड, एलफिन्स्टन (वेस्ट), मुंबई-40013 से प्रकाशित एवं एस आर पब्लिकेशन, मोहन अर्जुन कम्पाउंड, गाला नम्बर-8, 9, 10, घर्टनपाढा, वैशाली नगर लास्ट बस स्टॉप, नियर भारत गैस गोडाउन, दहिसर (ईस्ट), मुंबई- 400068 से मुद्रित। संपादक - गंगाराम श्रीराम विश्वकर्मा* RNI NO. MAHHIN/2005/16460 मो. 09320566633. (सभी विवादों का निपटारा न्यायक्षेत्र केवल मुंबई न्यायालय के अधीन होगा. *पी. आर. बी. अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)

श्वेता तिवारी को शादी में विश्वास नहीं

टीवी इंडस्ट्री की जानी मानी अभिनेत्री श्वेता तिवारी लंबे समय से दर्शकों का मनोरंजन कर रही हैं। एक्ट्रेस अपनी निजी जिंदगी को लेकर भी अक्सर चर्चा में रहती हैं। श्वेता ने दो शादियां की, पहली शादी राजा चौधरी से हुई और दूसरी अभिनव कोहली के साथ, लेकिन दोनों ही शादी असफल रही। अब एक्ट्रेस ने कहा है कि उनका विवाह जैसी संस्था से भरोसा उठ गया है। उन्होंने अपनी बेटी को भी शादी न करने की सलाह दी है। श्वेता की पहली शादी से एक बेटी पलक हैं, और दूसरी शादी से एक बेटा रियांश है। एक्ट्रेस ने कहा कि मैं अपनी बेटी को हमेशा कहती हूं कि किसी दबाव में आकर शादी नहीं करनी है, न ही किसी तरह का समझौता करना है।

मीडिया से बातचीत में श्वेता तिवारी ने अपनी पर्सनल लाइफ के बारे में बात की। श्वेता ने कहा कि मैं शादी में विश्वास नहीं रखती। ये पलक की लाइफ है और मैं ये तय नहीं करती कि उसे इसे कैसे जीना चाहिए, लेकिन मैं चाहती हूं कि कोई भी कदम उठाने से पहले वो एक बार अच्छे से सोच ले। सिर्फ इसलिए ही शादी करने की जरूरत नहीं है कि आप एक रिश्ते में हो। ये नहीं होना चाहिए कि आपको लगे लाइफ में शादी जरूरी है और इसके बिना जिंदगी कैसे चलेगी।

रानी चटर्जी ने लगाई मेहंदी

भोजपुरी फिल्म अभिनेत्री रानी चटर्जी सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। वैसे तो रानी ज्यादातर अपने जिम वर्कआउट की तस्वीरें और वीडियो शेयर करती हैं, लेकिन हाल ही में उन्होंने दुल्हन के जोड़े में कई तस्वीरें साझा की हैं। जिनमें वो बेहद खूबसूरत दिख रही हैं। हाथ में मेहंदी और मांग में सिंदूर लगाए रानी की ये तस्वीरें एक शूट की हैं। लेकिन पहली झलक में फैंस को लगा कि एक्ट्रेस ने शादी कर ली है।

रानी ने जो तस्वीर साझा की है वह तीज के मौके पर एक शूट की है। इस तस्वीर में रानी ने एक हाथ से अपना आधा चेहरा ढका हुआ है और शीशे में देखते हुए सेल्फी ले रही हैं। इसके बाद उन्होंने इस रूप में एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें हाथों पे लिख कर मेहंदी से सजना का नाम गाने पर एक्ट कर रही हैं। रानी ने इस वीडियो के कैप्शन में लिखा कि मैं इस गाने पर बहुत समय से रील बनाना चाहती थी, आखिरकार आज बना पाई। मुझे ये गाना पसंद है।

सनी लियोनी ने लूटी महफिल

सनी लियोनी बॉलीवुड इंडस्ट्री में अपनी पहचान बना चुकी हैं। अब वह जल्द ही तेलुगू इंडस्ट्री में एंट्री करने जा रही हैं। इसी बीच एक्ट्रेस ने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें शेयर की है जिसमें एक्ट्रेस ग्लैमरस का तड़का लगाती दिखाई दे रही है, तस्वीर में वो पिंक कलर की ड्रेस में बेहद खूबसूरत लग रही हैं।

इन तस्वीरों में एक्ट्रेस पिंक कलर की इंडियन ड्रेस में नजर आ रही हैं। इस पर उन्होंने ऑरेंज और पिंक कलर का श्रग कैरी किया हुआ है साथ ही सिल्वर कलर के ईयरिंग्स कैरी किए हैं। मेकअप की बात करें तो लाइट मेकअप के साथ एक्ट्रेस ने खास तरीके से बालों का बन बनाया हुआ है। इस दौरान सनी एक से बढ़कर एक सेक्सी पोज देते नजर आ रही हैं। उन्होंने फोटोज को शेयर करने के साथ ही लिखा– हैदराबाद में जिन्ना के प्रमोशन के लिए।

सनी तेलुगू फिल्म जिन्ना से डेब्यू करने जा रही हैं। इसमें वो विष्णु मंचू और पायल राजपूत के साथ अहम भूमिका में दिखाई देने वाली हैं। इस फिल्म का टीजर लांचिंग हाल ही में हैदराबाद में हुआ था। इस दौरान सनी ने शिरकत की थी, जिसमे उन्होंने अपने लुक से सबका दिल जीता था। एक्ट्रेस का ये लुक उसी दौरान का है लेकिन तस्वीरें उन्होंने अब पोस्ट की है। जिन्ना फिल्म की बात करें तो सनी लियोनी इसमें वो एक एनआरआई के रोल में नजर आएंगी। इसमें उनके अपोजिट विष्णु और पायल राजपूत भी अहम भूमिका में नजर आने वाले हैं। उन्होंने तमिल, तेलुगु, मलयायम और कन्नड़ फिल्में साइन की हैं।

अमाला को रास नहीं आया तेलुगु सिनेमा

साउथ फिल्म इंडस्ट्री इन दिनों उफान पर है। इस वर्ष आरआरआर, केजीएफ, पुष्पा जैसी फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर बंपर कमाई है। एक के बाद एक फ्लॉप हो रही बॉलीवुड फिल्मों को भी तेलुगु और तमिल फिल्मों से सीखने की सलाह दी जा रही है। इसी बीच एक एक्ट्रेस ने इस इंडस्ट्री को आइना दिखाने का काम किया है।

अमाला पॉल जो पिछले 13 वर्षों से तमिल फिल्म इंडस्ट्री से जुड़ीं हैं, उन्होंने मीडिया से तेलुगु सिनेमा को लेकर खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि ज्यादातर तेलुगु फिल्मों में एक्ट्रेस केवल लव सीन्स, गाने और आइटम सॉन्ग के लिए ली जाती हैं। उन्होंने कहा कि मैं तेलुगु इंडस्ट्री से ज्यादा कनेक्ट ही नहीं कर पाती हूं। अमाला ने अपने करियर में सिर्फ 4 तेलुगु फिल्मों में ही काम किया है।

तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री के बारे में बात करते हुए अमाला ने आगे कहा कि जब मैं तेलुगु इंडस्ट्री में गई तो मुझे लगा कि वहां पारिवारिक माहौल की फिल्में बनाई जाएंगी। लेकिन वहां फिल्मों में 2 एक्ट्रेस रखी जाती हैं जो केवल लव सीन और गानों में डांस करती हैं। ये लोग बहुत कमर्शियल सिनेमा बनाते हैं और मैं उनसे कनेक्ट नहीं कर पाई।

अमाला ने मलयालम फिल्म नीलठामारा से 17 साल की उम्र में अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी। अपने 13 साल के करियर में उन्होंने लगभग सभी बड़े एक्टर्स के साथ काम किया है। तेलुगु सिनेमा उन्हें रास नहीं आया इस लिए वो अब इस इंडस्ट्री के लिए फिल्में नहीं करती हैं।

सुहाना के लुक की हो रही चर्चा

सुहाना खान इन दिनों अपनी बॉलीवुड फिल्म द आर्चीज में अपने किरदार को लेकर काफी चर्चाओं में हैं। इसी बीच उनका एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में वो अपनी मां गौरी खान के साथ मुंबई स्थित एक हवाई अड्डे के अंदर प्रवेश करती हुई दिख रही हैं।

गौरी खान और सुहाना खान की इस वीडियो को इंस्टाग्राम पर सेलिब्रिटी फोटोग्राफर ने शेयर किया है। वीडियो में देखा जा सकता है कि सुहाना अपनी कार से उतरने के बाद अपनी मां गौरी खान के साथ एयरपोर्ट की ओर जाती हुई दिख रही हैं। सुहाना खान का ये वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इस वीडियो को चंद मिनटों में कई हजार लोग लाइक कर चुके हैं और कमेंट कर अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। एक फैंस ने वीडियो पर कमेंट कर लिखा, आग लगा दी आपने तो... । वहीं और भी उनके कई फैंस हैं जो इस वीडियो में कमेंट कर सुहाना खान के लुक की तारीफ कर रहे हैं। सुहाना खान जल्द ही जोया अख्तर की फिल्म द आर्चीज से हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में डेब्यू करने वाली हैं। इस फिल्म में वोवेरोनिका लोज, जबकि खुशी कपूर बेट्टी कपूर की भूमिका में नजर आने वाली हैं। तो अगस्त्य नंदा आर्ची एंड्रयूज के पेप कॉमिक्स स्टैंडअलोन किरदार में नजर आने वाले हैं। हालांकि अभी फिल्म के किरदारों को लेकर आधिकारिक एलान नहीं हुआ है।

OZONE®
FOR A SAFER WORLD

किचन और फर्निचर फिटिंग्स

मेरा
विश्वास
सिर्फ ओजोन
फिटिंग्स के
साथ

हम सब
संभाल लेंगे

किचन फिटिंग्स की जानकारी के लिए

संपर्क करें: 09310012300